twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरुवार, 04 सितम्बर, 2025 | वर्ष: 01, अंक: 07, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- 09/- दिव्य दिल्ली (इंग्लिश पेपर सहित)

दिल्ली में यमुना का तांडव...

मॉनेस्ट्री मार्केट में घुसा पानी

- निगम बोध घाट और ओल्ड उस्मानपुर में घुसा यमुना का पानी
- जलस्तर 207 मीटर के ऊपर

नई दिल्ली
देश की राजधानी दिल्ली में भारी बारिश के कारण यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ता जा रहा है, कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। निचले इलाकों में यमुना का पानी घुस गया है। दिल्ली का यमुना बाजार, निगम बोध घाट, ओल्ड उस्मानपुर गांव, आईएसबीटी का वासुदेव घाट पानी में डूब गया है। मोनेस्ट्री मार्केट में भी यमुना का पानी घुस गया है। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में पांच तारीख तक हल्की से भारी बारिश देखने को मिल सकती है। दिल्ली में यमुना का जलस्तर 207 मीटर के ऊपर पहुंच गया है। यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से 2 मीटर ऊपर है। यमुना नदी के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी की वजह से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। कई इलाकों में एनडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है। दिल्ली के यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से निगम बोध घाट क्षेत्र में बाढ़ का पानी घुस गया है। यमुना नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण यमुना बाजार में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। एनडीआरएफ कमांडेंट ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा कि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है।

वासुदेव घाट पानी में डूबा, लोगों ने छोड़ा घर

ओल्ड उस्मानपुर और ओल्ड गढ़ी मेंडू गांवों में यमुना का पानी पहुंचा दिल्ली के ओल्ड उस्मानपुर और ओल्ड गढ़ी मेंडू गांवों में यमुना का पानी पहुंच गया है। यहां रहने वाले लोग, उनके मवेशी और अन्य जानवर प्रभावित हो रहे हैं, यमुना नदी का पानी दो गांवों में घुसने के बाद उन्हें अपने घर खाली करने पड़ गए हैं। ओल्ड उस्मानपुर गांव के एक निवासी ने बताया, "जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

विशेष राहत पैकेज का एलान करे सरकार: राहुल गांधी

नई दिल्ली
देश में भारी बारिश ने इन दिनों तबाही मचाई हुई है। कई राज्य बाढ़ की चपेट में हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करने की अपील की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बाढ़ प्रभावित राज्यों पंजाब, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए तत्काल विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया।

राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने की अपील
राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा, 'मोदी जी, बाढ़ ने पंजाब में भारी तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। ऐसे मुश्किल समय में आपके इस तरफ ध्यान देने और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद की बेहद जरूरत है। हजारों परिवार अपने घर, जिंदगी और अपनों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं।'

अखनूर: अचानक फटा बादल, मची तबाही

अखनूर
अखनूर चौकी चौरा में रात लगभग 2 बजे अचानक बादल फटने से सुमाह खड़ (नाला) भर गया, जिससे अखनूर के सुमाह, सुंगल, पंगयाडी, रामनगर कॉलोनी और बोमाल क्षेत्र के कई घरों में पानी घुस गया। इस कारण स्थानीय लोगों को भारी नुकसान हुआ है। सुमाह में जेजेएम के तहत बनाए गए ट्यूबवेल की दीवार टूट गई है, जबकि अखनूर से गोपाला और पंगयाडी मुख्यमार्ग को जोड़ने वाली दोनों पुलियां भी टूट गई हैं। इस वजह से पंगयाडी और गोपाला गांव का संपर्क कट गया है, जिससे करीब 400 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, दरिया चिनाब का जलस्तर सुबह 8 बजे 44 फीट था, जो अब घटकर 42 फीट हो गया है।

पंजाब आपदा प्रभावित राज्य घोषित

लाखों एकड़ खेती तबाह, पंजाब में बाढ़ के चलते 7 सितंबर तक सभी शिक्षण संस्थान बंद

- पंजाब की भगवंत मान की सरकार ने पूरे राज्य को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया

चंडीगढ़
पंजाब की भगवंत मान की सरकार ने पूरे राज्य को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही बाढ़ के कारण पंजाब में 7 सितंबर तक सभी शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं। बाढ़ से 23 जिलों में 1400 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इस बाढ़ में 30 लोगों कीमौत हो गई है और 3.5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने कुछ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। जानकारी के अनुसार, बाढ़ से अब तक लगभग 20,000 लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकाला जा चुका है। पंजाब 1988 के बाद से आई सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। राज्य के लोगों के साथ एकजुटता दिखाते हुए, पंजाब के सभी आईपीएस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन देने का संकल्प लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि यह योगदान चल रहे राहत और पुनर्वास प्रयासों में सहयोग के लिए एक विनम्र प्रयास है।

रौद्र रूप में नदियां: हरियाणा के 1233 गांवों में बाढ़

- पुलिस वारदात में इस्तेमाल एक चाकू बरामद किया है
- अन्य आरोपितों का पुलिस पता लगा रही है

हिसार/करनाल/रोहतक
हरियाणा में उफनाईं नदी-नालों व लगातार हो रही बारिश अब तबाही मचाने लगी है। मंगलवार से अब-तक को बारिश जनित हादसों में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बह गया। इनमें चार की मौत तो केवल करंट से हुई। जलभराव व सड़क धंसने से हिसार व यमुनानगर में दो नेशनल हाईवे पर यातायात रोकना पड़ा। हिसार में चंडीगढ़ हाईवे के एक हिस्से को तोड़कर पानी निकाला और आवागमन हुआ। वहीं, कलानौर में पंचकूला-सहारनपुर हाईवे पर यमुना नदी पर बना पुल चार इंच धंस गया। इससे पुल पर बैरिकेडिंग कर एक साइड बंद कर दी गई है। करनाल में शेरगढ़ टापू का पुल डूबने से करनाल का सहारनपुर से संपर्क कट गया है। गुरुग्राम में तो चार अंडरपास बंद कर दिए गए हैं। इसी तरह यमुनानगर के लापरा गांव की मुख्य सड़क और खेत हुए जलमग्न होने से आवाजाही पूरी तरह से बंद है। फतेहाबाद के भूना में कुलां मार्ग पर पानी भरने से बंद किया गया है। जलभराव के कारण दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जाम लगा रहा है। गुरुग्राम में भी छह घंटे जाम जैसी स्थिति रही।

बैराज से हर घंटे खतरे का सायरन बजाकर चेतावनी दी जा रही

हथिनीकुंड बैराज में छोड़े गए पानी से बाढ़ के खतरे को देखते हुए उत्तर प्रदेश की पूर्वी नहर और हरियाणा दिल्ली को आपूर्ति करने वाली पश्चिमी यमुना नहर की जलापूर्ति बंद है। नदी किनारे लगते गांवों को बैराज से हर घंटे खतरे का सायरन बजाकर चेतावनी दी जा रही है। दिल्ली में भी बाढ़ का खतरा बना हुआ है। बैराज के सभी 18 गेट खुले हुए हैं।

'विधेयकों की विधायी क्षमता राज्यपाल नहीं जांच सकते'

- संसद की तरह ही राज्य विधानमंडल भी संप्रभु: बंगाल सरकार
- बंगाल सरकार ने दी दलील

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय-सीमा तय करने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को भी सुनवाई जारी रही। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि विधेयकों की विधायी क्षमता की जांच राज्यपाल नहीं कर सकते। बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ये भी कहा कि 'आजादी के बाद से शायद ही कोई ऐसा उदाहरण हो जहां राष्ट्रपति ने संसद द्वारा पारित किसी विधेयक को जनता की इच्छा के कारण रोका हो।'

बंगाल सरकार ने दी ये दलील
राष्ट्रपति संदर्भ पर सुनवाई के सातवें दिन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ के सामने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि 'किसी विधेयक की विधायी क्षमता का परीक्षण अदालतों में किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'किसी कानून को नागरिक या कोई अन्य व्यक्ति अदालत में चुनौती दे सकता है। राज्यपाल यह कहें कि मैं विधेयकों को मंजूरी नहीं दे सकता और इसे रोके रखता हूं, तो ये अत्यंत दुर्लभ और विरलतम मामला है।' पीठ में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

'संसद की तरह ही राज्य विधानमंडल भी संप्रभु'
कपिल सिब्बल ने आगे कहा कि 'संसद संप्रभु है और जनता की इच्छा को तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

हरियाणा का नंबर वन मोस्ट वांटेड: कंबोडिया से भारत लाया गया

गुरुग्राम
हरियाणा के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर मैनपाल बादली को कंबोडिया से डिपोर्ट कर भारत लाया गया है। एयरपोर्ट पर आते ही हरियाणा एसटीएफ की टीम ने कुख्यात गैंगस्टर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गैंगस्टर पर सात लाख रुपये का इनाम रखा था। एसटीएफ के अधिकारियों के अनुसार, मैनपाल बादली पिछले कई साल से विदेश में रहकर आपराधिक गिरोह चला रहा था। मैनपाल बादली रंगदारी वसूलने, हत्या और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। एसटीएफ के आईजी सतीश बालन मैनपाल बादली के मामले में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। बादली हरियाणा पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में नंबर-1 पर था। 29 अगस्त 2018 को परोल पर जेल से रिहा हुआ था।

'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट': शाह ने जवानों को सराहा

- नक्सल विरोधी अभियानों से करोड़ों के जीवन में नया सूर्योदय
- शाह ने जवानों को सम्मानित किया

नई दिल्ली
केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने करेगुंट्टालु पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी और कोबरा के जवानों से नई दिल्ली में भेंट की। शाह ने जवानों को सम्मानित किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियानों से साढ़े 6 करोड़ लोगों के जीवन में नया सूर्योदय हुआ है। मोदी सरकार का संकल्प है कि हम 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त कर देंगे। शाह ने करेगुंट्टालु पहाड़ी पर चले अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' में वीर जवानों द्वारा शौर्यपूर्ण प्रदर्शन कर अभियान को सफल बनाने के लिए सभी सुरक्षाबलों के जवानों को हृदय से बधाई दी। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध अभियान के इतिहास में 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान जवानों का शौर्य और पराक्रम एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली या तो आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएँ या समाप्त न हो जाएँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सलमुक्त बनाकर ही रहेंगे। गर्मी, ऊंचाई और हर कदम पर आईईडी के खतरों के बावजूद सुरक्षाबलों ने बुलंद हौसले के साथ अभियान को सफल बनाकर नक्सलियों का बेस कैंप समाप्त किया।

पीएम मोदी 13 सितंबर को जा सकते हैं मणिपुर

इंफाल
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 सितंबर को मिजोरम जा रहे हैं। वह मिजोरम में नए बैराबी-सैरंग रेलवे का उद्घाटन करने वाले हैं। मिजोरम से वह मणिपुर जा सकते हैं। मणिपुर दौरे के बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं मणिपुर दौरे के बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन मिजोरम सरकार के कई अधिकारियों ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि आइजोल से पीएम मोदी मणिपुर जा सकते हैं। अगर पीएम मोदी मिजोरम से मणिपुर जाते हैं तो यह 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद पीएम का मणिपुर का पहला दौरा होगा। मणिपुर में मई 2023 से मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में कम से कम 260 लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए हैं।

हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के लिए 10 राजमार्ग खंडों की पहचान

- हाइड्रोजन पंप की स्थापना इंडियन आयल रिलायंस पेट्रोलियम करेंगी, हाइड्रोजन डालने के लिए स्टेशन होंगे

नई दिल्ली
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए हरित हाइड्रोजन चालित ट्रकों के संचालन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में 10 राजमार्ग खंडों की पहचान की है। हाइड्रोजन पंप की स्थापना इंडियन आयल और रिलायंस पेट्रोलियम करेंगी। टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड और वोल्वो ने पहले ही हाइड्रोजन चालित ट्रक बनाना शुरू कर दिया है। चिन्हित राजमार्ग खंडों में ग्रेटर नोएडा-दिल्ली-आगरा, भुवनेश्वर-पुरी-कोणार्क, अहमदाबाद-वडोदरा-सूरत, साहिबाबाद-फरीदाबाद-दिल्ली, जमशेदपुर-कच्लगनगर, जामनगर-अहमदाबाद आदि शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चुनौती

जलवायु परिवर्तन भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए अपने बुनियादी ढांचे में सुधार करना होगा। गडकरी ने यह भी कहा कि भारत में हरित हाइड्रोजन का सबसे बड़ा निर्यातक बनने की क्षमता है।

भारत-जर्मनी में सहयोग की अपार संभावनाएं: एस जयशंकर

नई दिल्ली
भारत दौरे पर आए जर्मन विदेश मंत्री जोहान डेविड वेडफुल ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर से मुलाकात की। हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई, जिसमें जर्मन विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और जर्मनी में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इससे पहले मंगलवार को जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल बंगलूरू पहुंचे और वहां उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने जर्मन विदेश मंत्री के भारत आगमन की सराहना की।

उन्होंने कहा 'हम 25 वर्षों की रणनीतिक साझेदारी, 50 वर्षों के वैज्ञानिक सहयोग, लगभग 60 वर्षों के सांस्कृतिक समझौतों और एक शताब्दी से भी अधिक के व्यावसायिक संबंधों का जश्न मना रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश और पंजाब में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में फिर से भारी बारिश का अनुमान

पहाड़ से मैदान तक बारिश से आफत: जनजीवन बुरी तरफ प्रभावित

- उत्तर भारत में और बारिश की संभावना जताई है
- बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नई दिल्ली
सितंबर में बारिश और मौसमी दशाओं को लेकर मौसम विभाग की चेतावनी सच साबित होती दिख रही है। उत्तर भारत में सितंबर की शुरूआत भीगी-भीगी रही है। यहां राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में बीते दो दिनों से बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दूसरी तरफ उत्तर भारत के कुछ और राज्यों में भी स्थितियां बिगड़ी हैं। मौसम विभाग इन क्षेत्रों में बारिश को लेकर रेड और यलो अलर्ट जारी कर रहा है। मौसम विभाग ने उत्तर भारत में और बारिश की संभावना जताई है। भारतीय मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, पड़ोसी राज्यों हिमाचल प्रदेश और पंजाब में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी है। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में फिर से भारी बारिश का अनुमान है। नोएडा और गाजियाबाद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में और बारिश होने की संभावना है।

हिमाचल: बारिश और भूस्खलन से तबाही मचाई

हिमाचल प्रदेश के मंडी में बारिश और भूस्खलन से तबाही मचाई है। मंडी जिले के सुंदरनगर में भारी भूस्खलन हुआ है। भूस्खलन की चपेट में आने से दो मकान जमींदोज हो गए और छह लोगों की मौत हो गई।

कई राज्यों और शहरों में स्कूल बंद
भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर, कई राज्यों और शहरों ने छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूलों को बंद करने की घोषणा की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएडा, गाजियाबाद, चंडीगढ़, शिमला और जम्मू-कश्मीर में आज स्कूल बंद रहेंगे। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी है । वहीं, अगले 7 दिन हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। अनंतनाग, डोडा, कठुआ, किश्तवाड़, कुलगाम, पुंछ, रामबन, रियासी और उधमपुर जैसे जिलों में मध्यम से उच्च बाढ़ का खतरा है। यहां लगातार बारिश के कारण पहाड़ियों से भारी कीचड़ और पत्थर गिरकर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी मरम्मत कार्य चल रहा है।

दवाओं के बोझ से दबे जा रहे भारत समेत कई देश

- कमजोर और मध्यम आय वाले देशों को समान दवाओं के लिए कहीं अधिक कीमत चुकानी पड़ रही

नई दिल्ली
स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को लेकर दुनिया पहले से ही गहरी खाई में बंटी हई है। ऐसे में दवाओं की बढ़ती कीमतें हालात को और कठिन बना रही हैं। एक अंतरराष्ट्रीय शोध से सामने आया है कि कमजोर और मध्यम आय वाले देशों को अमीर देशों की तुलना में समान दवाओं के लिए कहीं अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इसका सीधा असर गरीब देशों की घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है, क्योंकि वहां दवाओं का बोझ सीधे लोगों की जेब पर आता है। यह अध्ययन अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के शोधकर्ताओं ने किया है और इसके नतीजे जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन हेल्थ फोरम में प्रकाशित हुए हैं। शोध में बताया गया है कि भले ही अमीर देशों में दवाओं की अंकित कीमत ऊंची लगती हो, लेकिन वहां की आय और सरकार की सब्सिडी व्यवस्था को देखते हुए ये अपेक्षाकृत सस्ती पड़ती हैं। दूसरी ओर गरीब और मध्यम आय वाले देशों में कीमतें कागजों पर कम जरूर दिखती हैं, लेकिन लोगों की कम आय और सरकारी सब्सिडी की कमी के कारण यह दवाएं असल में कहीं ज्यादा महंगी साबित होती हैं।

गरीब देशों में दवाओं का ज्यादा इस्तेमाल इसलिए
संक्रामक रोगों का दबाव : टीबी, मलेरिया, डेंगू और एचआईवी जैसी बीमारियां अब भी व्यापक हैं।
स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरी: समय पर जांच और इलाज नहीं मिल पाने से मरीज देर से अस्पताल पहुंचते हैं।

संसद के मानसून सत्र में पारित पांच समुद्री बिल कानून के रूप में अधिसूचित

नई दिल्ली
केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के पांच प्रमुख बिल संसद के मानसून सत्र में पारित होने के बाद कानून के रूप में अधिसूचित हो गए हैं। मंत्रालय ने बुधवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि समुद्री माल परिवहन अधिनियम, 2025 (कैरिज ऑफ गुड्स बाय सी एक्ट 2025) भारत के समुद्री क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सुधार है, जो नौवहन प्रक्रियाओं में स्पष्टता और सुरक्षा में आधुनिकता लाएगा। यह समुद्री नौवहन से जुड़े मालवाहकों की जिम्मेदारियों, देनदारियों और अधिकारों को परिभाषित करेगा, जिससे समुद्री व्यापार में लोगों का विश्वास बढ़ेगा। एक अन्य पोस्ट के मुताबिक, लदान बिल अधिनियम, 2025 ((बिल्स ऑफ लैडिंग एक्ट, 2025) पुराने 1856 के कानून को बदलकर लदान-पत्र को विश्वसनीय व्यापार दस्तावेज बनाएगा। यह माल ढुलाई के दावों और शिपमेंटर्स के अधिकारों की रक्षा करेगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में निश्चितता बढ़ेगी।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री लेकर पहुंचे सौरभ

नई दिल्ली
आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज बुधवार को पंजाब में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री लेकर पहुंचे। इस मौके पर सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पंजाब इस समय भीषण बाढ़ की मार झेल रहा है। यहां लोगों की फसलें और पशुधन डूब गए हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली से राहत सामग्री की पहली खेप भेजी गई है और जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाई जाएगी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पंजाब सरकार, मंत्री और स्थानीय लोग लगातार राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। मंगलवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी से अपील की थी कि इस मुश्किल घड़ी में पंजाब के लोगों की सेवा में आगे आएं। साथ ही पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए देशवासियों से राहत सामग्री देने की अपील की थी।

उत्तराखंड में बारिश बनी आफत, केदारधाम में पार्किंग बही

राज्य की सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं और स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर

देहरादून
उत्तराखंड में बारिश का प्रकोप कम नहीं हो रहा है बल्कि लगातार बारिश से आफत बढ़ती जा रही है। राज्य की सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं और स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। तेज बहाव से केदारधाम के बेस कैंप सोनप्रयाग में पार्किंग स्थल का एक बड़ा हिस्सा धंसने से दो वाहन गए। सोमवार देर रात केदारनाथ धाम के मुख्य पड़ाव सोनप्रयाग में सोन नदी के लगातार कटाव ने खतरा बढ़ा दिया है। देर शाम कटाव के चलते सोनप्रयाग शटल पार्किंग का लगभग 15 से 20 मीटर हिस्सा धंस गया और इस दौरान पार्किंग में खड़ी दो बोलेरो वाहन इसकी चपेट में आकर बह गए। गनीमत रही कि समय रहते वाहन चालकों को सूचना देकर सतर्क कर दिया गया। रुद्रप्रयाग जिले के आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर ने बताया कि सोन नदी का कटाव तेजी से हो रहा है। देर शाम जेसीबी (डोजर) मशीन की मदद से धंसाव में फंसे वाहनों को बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय लोग नदी के तेज बहाव और लगातार हो रहे कटाव को लेकर चिंतित हैं। प्रशासन ने स्थिति पर करीबी नजर बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए टीमें अलर्ट पर हैं। कटाव आवासीय क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

उत्तरकाशी जिले में तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से गंगोत्री और यमुनोत्री नेशनल हाइवे कई जगह बंद है। गंगोत्री नेशनल हाईवे नगुण, धरासू, नेताला, डाबरानी आदि जगहों पर बंद हैं और यमुनोत्री हाईवे कल्याणी, सिलाईबैंड और जंगल चट्टी के पास बंद है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज देहरादून, रुद्रप्रयाय व उत्तरकाशी जिले में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा व आकाशीय चमकने के साथ ही तीव्र बारिश की संभावना जताई है। राज्य के हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी, चमोली, नैनीताल, चम्पावत, उधमसिंहनगर, बागेश्वर, पिथौरागढ़ में भी भारी वर्षा की संभावना है। राज्य आपदा प्राधिकरण ने सभी जिला प्रशासन को सतर्क रहने को कहा है।

हिमाचल में भूस्खलन से मंडी व कुल्लू में तबाही, 6 की मौत

शिमला
हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य के कई जिलों में आज भी भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज सोलन और सिरमौर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि मंडी, शिमला, कुल्लू, ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और लाहौल-स्पीति जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 04 और 05 सितंबर को अंधड़ चलने और आसमानी बिजली गिरने का येलो अलर्ट रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार 06 से 09 सितंबर तक बारिश होगी, हालांकि इस दौरान किसी तरह की चेतावनी नहीं दी गई है। मौसम वैज्ञानिक संदीप कुमार ने बताया कि इस बार मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 42 प्रतिशत अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

मंडी में भूस्खलन से मौतें, कुल्लू में दो लापता, शिमला के सुन्नी में खतरा बढ़ा
भारी बारिश से मंडी और कुल्लू जिलों में तबाही मच गई है। मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल में बीती रात पहाड़ी से हुए भूस्खलन से दो मकान मलबे में दब गए, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं।

हिमाचल में सभी शिक्षण संस्थान 7 सितंबर तक बंद

शिमला
हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी भारी बारिश और तबाही को देखते हुए प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों व कॉलेजों (डाइट सहित) को आगामी 7 सितंबर, 2025 तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक इस अवधि में शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों को भी संस्थानों में आने से छूट दी गई है। हालांकि, संस्थान प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि जहां संभव हो, वहां ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई जारी रखी जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई पूरी तरह बाधित न हो। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राचार्य, हेड मास्टर और संस्थान प्रमुख संस्थान की संपत्ति और अभिलेखों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देंगे। यदि किसी कारण से चल संपत्तियों या अभिलेखों को नुकसान पहुंचने की संभावना हो तो उनकी सुरक्षित रखवाली सुनिश्चित की जाएगी। सरकार ने सभी अधिकारियों को आदेश की अक्षरशः पालना करने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा सचिव राकेश कंवर ने आदेश जारी करते हुए कहा कि छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और खराब मौसम के दौरान किसी भी तरह का जोखिम उठाना ठीक नहीं होगा। गौरतलब है कि प्रदेश इस समय भयंकर मॉनसूनी आपदा से जूझ रहा है। पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश ने पूरे हिमाचल को संकट में डाल दिया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की जनसुनवाई, समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

जनता से संवाद मुझे सदैव नई ऊर्जा देता है और सेवा के प्रति समर्पण को और गहरा करता है: सीएम

नई दिल्ली
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को राजधानी के विभिन्न हिस्सों से मुख्यमंत्री जनसेवा सदन पहुंचे लोगों की समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को हर समस्या के जल्द समाधान सुनिश्चित करने के लिए तुरंत आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी सोशल मीडिया एक्स अकाउंट पर साझा की। मुख्यमंत्री ने पोस्ट करते हुए कहा, जनता से संवाद मुझे सदैव नई ऊर्जा देता है और सेवा के प्रति समर्पण को और गहरा करता है।

जनसुनवाई सेवा का नया संस्कार है। यहां हर नागरिक की आवाज सुनी जाती है और हर सुझाव दिल्ली के विकास का पथप्रदर्शक बनता है। उन्होंने कहा कि जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता और हर नागरिक को त्वरित समाधान देने ही दिल्ली सरकार का संकल्प है।

संसदीय समिति ने उठाया खराब दूरसंचार सेवाओं का मुद्दा, बीएसएनएल को करें मजबूत

सांसदों ने कहा कि खासकर निजी परिचालकों के साथ ऐसा देखा जा रहा है और इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनएल को मजबूत करने की जरूरत

नई दिल्ली
संसदीय समिति की एक बैठक में मंगलवार को कुछ सांसदों ने दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में खराब दूरसंचार सेवाओं का मुद्दा उठाया। सांसदों ने कहा कि खासकर निजी परिचालकों के साथ ऐसा देखा जा रहा है और इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनएल को मजबूत करने की जरूरत है। सांसदों ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) से उसके लंबित मुकदमों की विस्तृत जानकारी मांगी है, जिसके कारण सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। बैठक में सरकार और सेवा प्रदाताओं के शीर्ष अधिकारी उपस्थित हुए। कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल की अध्यक्षता वाली लोक लेखा समिति ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा सरकार के साथ राजस्व साझाकरण पर कैग की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हमने आम जनता की शिकायतों से संबंधित मुद्दों पर गहन चर्चा की। उन्होंने दूरसंचार परिचालकों से उनकी सेवाओं को लेकर जनता की शिकायतों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने आगे कहा कि कुछ सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि प्राइवेट कंपनियां बड़े-बड़े दावे तो करते हैं।

निलंबन के अगले दिन के कविता ने बीआरएस को कहा अलविदा

नई दिल्ली
भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की निलंबित नेता के. कविता ने अपने परिवार और पार्टी के भीतर चल रही कथित साजिशों को लेकर मीडिया में बयान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा भी दे दिया है। कविता ने न केवल अपने भाई के.टी. रामा राव पर निशाना साधा, बल्कि चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर भी गंभीर आरोप लगाए।

'पार्टी पर कब्जा करने की साजिश'
उन्होंने अपने पिता और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से अपील की कि वह अपने आसपास हो रही सियासी चालबाजियों पर नजर रखें। कविता ने कहा कि उनकी निलंबन की साजिश पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश का हिस्सा है। के कविता ने कहा, "केसीआर गारू और केटीआर गारू मेरा परिवार हैं। हमारे बीच खून का रिश्ता है। पार्टी से निलंबन या पद छिनने जैसे कारणों से यह रिश्ता नहीं टूटना चाहिए।" उन्होंने आरोप लगाया, "हालांकि, कुछ लोग अपने निजी और राजनीतिक विकास के लिए हमारे परिवार को बिखेरना चाहते हैं।"

'भाई ने जरा भी परवाह नहीं की...'
कविता ने हैदराबाद में एक बयान में कहा कि उनकी रिहाई के बाद से वह लगातार जनता के मुद्दों के लिए लड़ रही हैं। लेकिन इस दौरान उनके भाई रामा राव ने उनका साथ नहीं दिया, जब उनके खिलाफ एक बदनाम करने वाली मुहिम चलाई गई। के कविता ने कहा, "मैं भाई केटीआर से मिली। मैंने उन्हें मेरे खिलाफ चल रही साजिशों और झूठे अभियान के बारे में बताया। मैंने उनसे अनुरोध किया, न केवल एक बहन के रूप में, बल्कि पार्टी की रूप में भी, लेकिन उन्होंने जरा भी परवाह नहीं की। उन्होंने मुझे फोन तक नहीं किया।"

परिवार में फूट डालने की साजिश
कविता ने अपने बयान में साफ किया कि कुछ लोग उनके परिवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिता केसीआर से गुजारिश की कि वह इस सियासी खेल को समझें और पार्टी के भीतर चल रही साजिशों पर ध्यान दें। कविता का मानना है कि उनकी निलंबन की वजह सिर्फ व्यक्तिगत हमले नहीं, बल्कि बीआरएस पर पूरी तरह कब्जा करने की कोशिश है।

मराठा आंदोलन: आजाद मैदान से 125 टन कचरा निकला

सरकारी संपत्ति के बड़े पैमाने पर नुकसान का जिम्मेदार कौन? अदालत ने जरांगे से मांगा हलफनामा

छत्रपति संभाजीनगर
मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में बताया कि मराठा आरक्षण को लेकर उनका आंदोलन अब खत्म हो चुका है, क्योंकि मामला सरकार के साथ सुलझ गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति आरती साठे की खंडपीठ ने उनकी बात को स्वीकार किया, लेकिन यह भी कहा कि आंदोलन के दौरान हुई अन्य घटनाओं और शिकायतों पर जवाब देना जरूरी है। कोर्ट ने पूछा, सरकारी संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है, उसका जिम्मेदार कौन है? जरांगे की ओर से पेश हुए वकील सतीश मानशिंदे और वी. एम. थोराट ने कोर्ट में दलील दी कि आंदोलन शांतिपूर्ण था और सिर्फ आम जनता को असुविधा हुई, संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। इस पर कोर्ट ने कहा कि जरांगे और आंदोलन से जुड़ी संस्थाओं को हलफनामा दाखिल करना होगा, जिसमें यह साफ लिखा हो कि वे किसी भी तरह की हिंसा या तोड़फोड़ के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। पीठ ने कहा, अगर हलफनामे में इनकार नहीं किया गया, तो जरांगे और उनकी टीम को उपद्रव का भड़काने वाला माना जाएगा।

भाजपा बोली-खेड़ा की पत्नी के पास भी 2 वोटर आईडी

नई दिल्ली
कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बाद उनकी पत्नी कोटा नीलिमा के भी दो अलग-अलग पते से वोटर कार्ड का दावा किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। बुधवार को भाजपा नेता अमित मालवीय ने अपने एक्स अकाउंट पर कहा कि राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बिना पर्याप्त जाँच-पड़ताल के ईमानदार वोटरों को निशाना बनाकर उनकी छवि धूमिल कर दी- यहाँ तक कि उनकी पहचान बिना अनुमति उजागर करके उन्हें खतरे में डाल दिया। फिर भी, उन्होंने इस चौंकाने वाले खुलासे पर चुप्पी साध रखी है कि उनके एक करीबी सहयोगी के पास दो एपिक कार्ड हैं। क्या सिर्फ. वही बिल्कुल नहीं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता कोटा नीलिमा, जो तेलंगाना के खैरताबाद (60) विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहीं और कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की पत्नी हैं।

भागवत और वसुंधरा की मुलाकात के बाद अटकलों का बाजार गर्म

जोधपुर
पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने आज सवेरे आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत से मुलाकात की। राजे ने डॉ भागवत से करीब 20 मिनट तक बातचीत की। बताया जा रहा है कि डॉ. भागवत के साथ 20 मिनट चली मुलाकात में राजे ने कई अहम मामलों पर चर्चा की। भागवत से मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर हलचल मचने लगी है। गौरतलब है कि बीते दिनों धौलपुर में रामकथा के दौरान वसुंधरा ने वनवास को लेकर बयान दिया था और फिर कल जोधपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि ईश्वर पर अटूट विश्वास से किसी भी कार्य को पूरा किया जा सकता है। भले ही देर से हो... सियासी गलियारों में राजे के इन बयानों के बाद भागवत के साथ उनकी 20 मिनट की मुलाकात ने राजे के बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने अटकलों को फिर सुलगा दिया है। सूत्रों के अनुसार राजे आरएसएस की पहली पसंद हैं। यदि राजे को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे भाजपा की पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगी।

भाजपा पर साधा निशाना
गौरतलब है कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत इन दिनों 5 से 7 सितंबर तक होने वाली अखिल भारतीय समन्वय बैठक के लिए जोधपुर प्रवास पर हैं। भागवत से मुलाकात के बाद राजे सीधे सूरसागर स्थित बड़ा रामद्वारा पहुंचीं, जहां रामस्नेही संत रामप्रसाद जी के जन्मदिन की बधाई देने के साथ ही उनके साथ धार्मिक चर्चा भी की। राजे ने अजीत भवन में सब इंस्पेक्टर भर्ती में सफल अभ्यर्थियों से मुलाकात भी की।

असम: सीएए के तहत अब तक केवल तीन को मिली नागरिकता: सीएम सरमा

गुवाहाटी
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को खुलासा किया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), 2019 के तहत अब तक राज्य में सिर्फ तीन विदेशियों को ही भारतीय नागरिकता दी गई है। यह बयान उस पृष्ठभूमि में आया है जब लंबे समय से यह अटकलें और आशंकाएं लगाई जा रही थीं कि लाखों विदेशी असम में सीएए के जरिए नागरिकता हासिल करेंगे। सरमा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि अब तक केवल तीन लोगों को असम में सीएए के तहत नागरिकता मिली है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार को कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से तीन को मंजूरी मिल चुकी है, जबकि नौ अभी विचाराधीन हैं। सीएम ने कहा, बहुत शोर मचाया गया कि 20-25 लाख लोग असम में नागरिकता पाएंगे। अब आप ही तय करें कि जब केवल 12 आवेदन आए हैं तो इस पर चर्चा करना कितना प्रासंगिक है।

वकील अनंत देहादराय ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ पहुंचे हाई कोर्ट, महुआ मोइत्रा को नोटिस

नई दिल्ली
तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और वकील जय अनंत देहादराय के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। देहादराय ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर हेनरी नामक पालतू कुत्ते की कस्टडी से जुड़ी ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही को प्रचारित न करने के आदेश को चुनौती दी है। जस्टिस मनोज जैन की बेंच ने देहादराय की याचिका पर सुनवाई करते हुए महुआ मोइत्रा को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 22 दिसंबर को होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि इस मसले पर आप दोनों मिलकर क्यों नहीं सुलझा रहे हैं। तब देहादराय के वकील संजय घोष ने कहा कि ट्रायल कोर्ट में महुआ मोइत्रा पालतू कुत्ते हेनरी की साझी कस्टडी मांग रही हैं। घोष ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने 6 मार्च को इस मामले पर दोनों पक्षकारों के सार्वजनिक रुप से बात करने पर रोक लगा दी। घोष ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का ये फैसला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उच्चतम न्यायालय के फैसले का भी उल्लंघन है। घोष ने कहा कि देहादराय के खिलाफ झूठा केस दायर किया गया और इस केस के बारे में बात करने से भी रोका गया। देहादराय इस केस के बारे में न लिख सकते हैं और न कहीं बात कर सकते हैं। देहादराय की याचिका में कहा गया है कि उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक ट्वीट पोस्ट कर ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही की जानकारी साझा की थी।

दिल्ली में घरों से लेकर शमशान घाट तक भरा यमुना का पानी

सुबह 8 बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर यमुना का जलस्तर 206.83 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से काफी ऊपर, यमुना किनारे व अस्थायी शिविरों के पास पुलिस व सिविल डिफेंस वालंटियर तैनात किए

घाट डूबे...निचले इलाकों में भरा पानी, खतरे के निशान से ऊपर यमुना

नई दिल्ली
पहाड़ों पर हो रही मूसलधार वर्षा से यमुना खतरे के निशान से ऊपर बहने से घर, बाजार, खेत से लेकर शमशान घाटों में यमुना का पानी भर गया है। यमुना के नजदीकी क्षेत्र व नीचले इलाकों में जन जीवन प्रभावित हो गया है। वहीं, यमुना किनारे बनाए गए वसुदेव घाट पर पानी पहुंचने से इसे बंद कर दिया गया है। यहां होने वाली यमुना आरती को भी फिलहाल बंद करा दिया गया है। यमुना के बढ़ते जलस्तर से दिल्ली के साथ ही गौतमबुद्ध नगर और फरीदाबाद के यमुना से सटे इलाकों में पानी आने से लोगों को घरों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। पानी यमुना डूब क्षेत्र और नीचले इलाकों में घुसने की वजह से एनसीआर के पांच हजार परिवार प्रभावित हो गए हैं। सरकार की ओर से सड़कों के किनारे व स्कूलों में बनाए गए अस्थायी शिविर प्रभावित लोगों के आशियानें बने हुए हैं। वर्षा इन लोगों के लिए मुसीबत बनी रही। यमुना किनारे व अस्थायी शिविरों के पास पुलिस व सिविल डिफेंस वालंटियर तैनात कर दिए हैं। दिल्ली में कश्मीरी गेट के नजदीकी यमुना बाजार के घरों में यमुना का पानी घुस गया। सिंचाई विभाग ने कट्टों में मिट्टी भरकर दीवार बनाई है, ताकि यमुना का पानी रिंग रोड से होते हुए आगे के रिहायशी क्षेत्र में न आ सके। लेकिन पानी अपनी जगह कहीं न कहीं से बना रहा है। निगम बोध घाट का पिछले हिस्से पानी से डूब गया है। इस वजह से पिछले हिस्से में अंत्येष्टि नहीं हो सकी। घाट के मुख्यद्वार व परिसर में वर्षा का पानी भरा हुआ है। यमुना का जल स्तर बढ़ने से यहां के नाले का पानी यमुना में नहीं जा रहा है। जिस वजह से पानी परिसर व मुख्यद्वार पर भरा हुआ है। इससे लोगों को काफी परेशानी हुई।

पुल के अंदर गोशाला की 400 गायों को छोड़ा गया

पुल के बंद होने से शास्त्री पार्क पुश्ता रोड व गांधी नगर रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। पुल के अंदर गोशाला की 400 गायों को छोड़ दिया गया है। पुलिस ने पुल बंद करने से पहले वाहन चालकों के लिए एडवाइजरी जारी की थी। पुलिस ने वाहन चालकों को हिदायत दी है कि गांधी नगर से पुरानी दिल्ली जाने वाले वाहन चालक गीता कॉलोनी फ्लाईओवर से होते हुए जाएं। यमुना बाजार के पुराना हनुमान मंदिर से यमुनापार की तरफ जाने वाले वाहन चालक कश्मीरी गेट होते हुए शाहदरा जीटी रोड से होते हुए जाएं।गांधी नगर की साइड लोहा पुल के पास डीडीए की जमीन अवैध गोशाला बनी हुई है।

गोशाला में पानी भरने की वजह से सभी गायों को वहां से निकाला गया है। प्रशासन का कहना है कि इतनी गायों को सड़कों पर छोड़ नहीं सकते हैं। इसलिए पुल के अंदर उन गायों को छोड़ दिया गया है। वहीं पर उन्हें गोशाला के लोग चारा दे देंगे।

मोनेस्ट्री मार्किट में यमुना का पानी घुस गया है। व्यापारियों ने दुकानों को खाली किया। करंट फैलने के खतरे को देखते हुए यहां की लाइट काट दी गई है। प्रशासन ने मार्केट को बंद करवा दिया है। यमुना खादर में मयूर विहार, पुराना लोहापुल, गीता कालोनी में झुग्गियां पानी में डूब गईं। यहां रहने वाले लोग अपने मवेशियों के साथ अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं। जबकि फरीदाबाद में यमुना प्रशासन ने 27 गांव को बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील घोषित कर दिया है। यहां पर यमुना 199.95 मीटर पर बह रही है। यहां खतरे का निशान 202.30 मीटर है। यमुना किनारे मोहना, छांयसा, चांदपुर, शाहजहांपुर, मंझावली, राजपुर कलां, अमीपुर, सिडौला, लालपुर गांव में पानी पहुंच गया और फसले डूब गई। फरीदाबाद में पानी ओखला बैराज से होते हुए आता है।

बुराड़ी में 20 लोगों को नाव के जरिये बाहर निकाला

वहीं, जिन लोगों के पानी में फंस जाने की जानकारी मिल रही है उनको बचाया भी जा रहा है। बुराड़ी में पूर्वी दिल्ली जिला प्रशासन की बोट क्लब टीम की ओर से करीब 20 लोगों को नांव के जरिये बाहर निकाला गया। यह लोग डूब क्षेत्र में आए पानी में फंस गए थे। इसी प्रकाश न्यू अशोक नगर के पास यहां पर डूब क्षेत्र में पांच के करीब कुत्तों को सुरक्षित निकालकर खाली स्थान पर छोड़ा गया।

वर्ष 2023 में आई बाढ़ के कारण जहां दिल्ली के विभिन्न इलाकों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया था। नालों के बैक मारने की वजह से भी लुटियंस दिल्ली में भगवान दास रोड और सुप्रीम कोर्ट के पास भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। पुराने अनुभवों को देखते हुए निगम ने इसकी तैयारी पहले से ही कर ली थी। अभी स्थिति सामान्य है अगर, नाले के बैक मारने की स्थिति बनती है तो नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) संप वैल का उपयोग करेगा। फिर इस पानी को यमुना में पंप के जरिये भेजा जाएगा। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने बताया कि हमने पूर्व में ही इसकी तैयारी कर ली थी। मथुरा रोड पर पुराना किला के पास पांच लाख लीटर की क्षमता का संप वैल बना दिया है। अगर, नाले के बैक मारने की स्थिति उत्पन्न होती है तो एनडीएमसी पहले पानी को इस संप में एकत्रित करेगी। इसके बाद 50-50 एचपी के दो पंपों के जरिये इसे यमुना में भेजा जाएगा। चहल ने बताया कि एनडीएमसी इलाके का सीवर यमुना में नहीं जाता है। बस यमुना में वर्षा जल का पानी जाता है।

लोहा पुल से ट्रेनों की आवाजाही भी बंद

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बुधवार सुबह 7 बजे तक यमुना का जलस्तर 206.86 मीटर पहुंच गया है। खादर में पानी का फैलाव होने लगा है। पुराना उस्मानपुर गांव और गढ़ी मांडू गांव के करीब तक पानी आ गया है। सुरक्षा के मद्देनजर यमुना के लोहा पुल से ट्रेनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। , शाम को यमुना का जलस्तर 206 मीटर के पार पहुंचने पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई थी। वहीं, आज सुबह 6.30 बजे से ट्रेन परिचालन भी बंद कर दिया गया। आज रात से यमुना का जलस्तर कम होने के आसार हैं।

यमुना बाजार और मोनिस्ट्री मार्केट में क्या बोले लोग?

"घरों में रखा सारा सामान पानी में डूब गया है। बच्चों की किताबें तक गीली हो गई है। बच्चें स्कूल नहीं जा पा रहे है। लोग केवल कुछ कपड़े लेकर राहत शिविर में रहने को मजबूर है।
- सुनीता देवी, निवासी।

"राहत शिविर की संख्या काफी कम है। यहां कई परिवारों को रहने के लिए अब तक शिविर में जगह नहीं मिली है। घर पानी में डूब गया है।
- मनीष, निवासी।

यहां रात तक स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। क्योंकि यहां लगातार पानी बढ़ रहा है। दुकानों के अंदर दीवार से पानी रीसकर भरने लगा है। अब मार्किट बंद होने से रोजी- रोटी की समस्या भी गहरा जाएगी।
- रजनीश सिंह, दुकानदार।"

दिल्ली में रोड परियोजनाओं पर खर्च होंगे 50 हजार करोड़: नितिन गडकरी

- धर्म, न्याय व सत्य के अधार पर हमें जो शक्ति चाहिए। मानवता के कल्याण के लिए ताकत चाहिए

नई दिल्ली
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली में रोड परियोजनाओं पर अगले छह माह के बाद 50 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। अभी उनके विभाग की ओर से एक लाख करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं। रोहिणी सेक्टर-2 में भगवान परशुराम सेवा प्रतिष्ठान भवन के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे यूईआर-2 बनाने का सौभाग्य मिला। आज मैं इसी रोड से आपके बीच आया हूं। यह खुशी की बात है कि अच्छे रोड बन रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा हो रहा है। ज्ञान सबसे बड़ी ताकत है, ज्ञान के आधार पर हम विश्वगुरू बन सकते हैं। विश्व गुरु बनने के लिए धर्म, न्याय व सत्य के अधार पर हमें जो शक्ति चाहिए।, किसी पर अधिकार जमाने के लिए नहीं चाहिए, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए ताकत चाहिए।

झाड़ौदा कलां के खेत और गीतांजलि कॉलोनी डूबी, घर खाली कर रहे लोग

- ड्रेन का पानी बताने के साथ साथ दिल्ली व हरियाणा सरकार की लापरवाही का पानी करार दे रहे

नई दिल्ली
जिसका अंदेशा था, वही हुआ। लापरवाही के पानी ने पहले किसानों की फसल को रौंदा और अब लोगों के आशियाने बर्बाद करने पर तुला है। हरियाणा से दिल्ली आ रहे मुंगेशपुर ड्रेन का एक हिस्सा टूटने से झाड़ौदा कलां के खेतों के साथ इसके किनारे बसी गीतांजलि कॉलोनी जलमग्न हो गई। कॉलोनी में बने घरों में पानी घुसने से लोग अब घर छोड़कर सुरक्षित ठिकाने की ओर जाने को मजबूर हैं। लोग इसे ड्रेन का पानी बताने के साथ साथ दिल्ली व हरियाणा सरकार की लापरवाही का पानी करार दे रहे हैं।

क्षमता से अधिक पानी का इस ड्रेन में प्रवाह
मुंगेशपुर ड्रेन की क्षमता करीब 2400 क्यूसेक पानी की है। लेकिन वर्षा के दौरान इस ड्रेन में पानी इससे काफी अधिक बहने लगता है। लोगों का कहना है कि यदि ड्रेन की तलहट की सफाई समय समय पर हो, तो इससे इसकी क्षमता या तो बढ़ेगी या तो पूरी क्षमता के साथ काम करने में सक्षम होगी। लेकिन सही तरीके से साफ सफाई नहीं होने से यह अब पूरी क्षमता के साथ काम नहीं करती। नतीजा यह होता है कि ड्रेन के पानी का स्तर इसके किनारे के उपरी हिस्से को छूने लगता है। जिससे धीरे धीरे ड्रेन के दोनों किनारे की मिट्टी कमजोर होती चली गई।

काश किसी ने सुध ली होती

बात मुंगेशपुर ड्रेन की हो या हरियाणा के सीवरेज शोधन संयंत्र से गंदे पानी को दिल्ली की ओर छोड़े जाने की हो, यदि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग या आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, यदि दोनों में से कोई भी अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग होता तो इस समस्या को टाला जा सकता था। लंबे समय से वेलोग इस समस्या से दक्षिण पश्चिम जिला प्रशासन, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को अवगत करा रहे हैं।

हजारों की आबादी प्रभावित

गीतांजलि कॉलोनी घनी आबादी वाली कॉलोनी है। यह कॉलोनी मुंगेशपुर ड्रेन के ठीक किनारे बसी है। ड्रेन के एक ओर झाड़ौदा कलां गांव के खेत हैं तो दूसरी ओर कॉलोनी। खेतों में हरियाणा का पानी पिछले कई महीने से आकर इकट्ठा हो रहा है। अब ड्रेन के टूटने से कॉलोनी वाला हिस्सा भी पूरी तरह जलमग्न है। कॉलोनी का कोई ऐसा हिस्सा नहीं है जहां न्यूनतम तीन फुट पानी नहीं हो।

दो नाबालिग के हमले में घायल पिता की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली: बेटी पर दोस्ती करने का दबाव बना रहे पड़ोस में रहने वाले दो लड़कों को मना करने पर पिता को चाकू मारने के मामले में घायल पिता की तबीयत बिगड़ गई है। घायल का इलाज सफदरजंग अस्पताल में जारी है। पीड़ित की पत्नी ने बताया कि उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई है, वह बात तक नहीं कर पा रहे हैं। सीने में चाकू लगने की वजह से उन्हें काफी दर्द है।

नए सिरे से बसेगा चांदनी चौक, व्यापारियों ने सौंपा मसौदा

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आग्रह पर पुरानी दिल्ली के कारोबारी संगठनों ने चांदनी चौक के पुनर्विकास को लेकर विशेषज्ञों से मसौदा तैयार कराकर रज्य सरकार को सौंप दिया है। दिल्ली व्यापार महासंघ व दिल्ली हिंदुस्तान मर्केंटाइल एसोसिएशन का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से मिला तथा पुरानी दिल्ली के पुनर्विकास पर विस्तृत चर्चा भी की। दुकानों के स्वामित्व, किरायेदारी और कटरा प्रणाली का समाधान, गलियों और सड़कों की श्रेणीकरण व्यवस्था, धरोहर स्मारकों की सुरक्षा व व्यापारिक गतिविधियों को व्यवस्थित ढंग से स्थानांतरित करने की योजना प्रमुख थी।

दो नाबालिग के हमले में घायल पिता की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली: बेटी पर दोस्ती करने का दबाव बना रहे पड़ोस में रहने वाले दो लड़कों को मना करने पर पिता को चाकू मारने के मामले में घायल पिता की तबीयत बिगड़ गई है। घायल का इलाज सफदरजंग अस्पताल में जारी है। पीड़ित की पत्नी ने बताया कि उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई है, वह बात तक नहीं कर पा रहे हैं। सीने में चाकू लगने की वजह से उन्हें काफी दर्द है।

लूट का विरोध करने पर युवक के पैर में मारे चाकू, चार गिरफ्तार

- पुलिस वारदात में इस्तेमाल एक चाकू बरामद किया है
- अन्य आरोपितों का पुलिस पता लगा रही है

नई दिल्ली
मांगोलपुरी थाना क्षेत्र में चाकू की नोंक पर कपड़े दुकान के सेल्समैन से लूटने की कोशिश और एक अन्य मामले में लूट का विरोध करने पर एक युवक को चाकू मारने के मामले में तीन नाबालिग समेत चार आरोपितों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक चाकू बरामद किया है। वहीं, फरार अन्य आरोपितों का पुलिस पता लगा रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 25 अगस्त को थाना मंगोलपुरी को एक पीसीआर काल से जानकारी मिली कि मंगोलपुरी के ए-ब्लाक स्थित कला मंदिर में दुकान नंबर-एक में पांच से छह लड़के चाकू लेकर घुस गए। जिन्होंने दुकान में मौजूद सेल्समैन को चाकू दिखाकर फोन छीनने की कोशिश की। घटनास्थल पर पहुंचने पर पीड़ित आकाश ने बताया कि 25 अगस्त को वह कपड़े की दुकान पर मौजूद था। शाम लगभग 7:15 बजे कई लड़के उसकी दुकान में घुस आए, जबरन उसकी जेब की जांच की और पैसे मांगे। जब उसने विरोध किया, तो उन्होंने उसे चाकू दिखाकर धमकाया। इस बीच उनका मालिक पवन दुकान में आ गया।

डूसू चुनाव से पहले आइसा और एसएफआई ने दिखाई ताकत

- फीस वृद्धि रोकने, रियायती मेट्रो पास लागू करने और सभी के लिए हास्टल बनाने जैसी मांगों को रखा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव से पहले वामपंथी छात्र संगठनों एसएफआई और आइसा ने विश्वविद्यालय परिसर में महापंचायत लगाई। इस सभा में सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए और विभिन्न मुद्दों पर अपने अनुभव और मांगें साझा कीं। महापंचायत के दौरान नेताओं ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन और सत्तारूढ़ छात्र संगठन छात्रों की वास्तविक समस्याओं को दरकिनार कर रहे हैं। सभा में एफवाईयूपी, महिला सुरक्षा, हास्टल की कमी, फीस वृद्धि और शिक्षा के निजीकरण जैसे मुद्दे केंद्र में रहे। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की संभावित प्रत्याशी अंजली ने कहा कि जबरन लागू किए गए चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) से छात्रों पर दबाव बढ़ा है, जबकि विश्वविद्यालय पर्याप्त ढांचे से लैस नहीं है। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के संभावित प्रत्याशी सोहन कुमार यादव ने कहा कि पिछले साल के चुनावी वादे एबीवीपी और एनएसयूआइ ने पूरे नहीं किए। उन्होंने छात्रों से अपील की कि इस बार ऐसे प्रतिनिधियों को चुनें जो सालभर सक्रिय रहें। महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए एसएफआई की अभिनंदना ने कहा कि हर साल महिला कालेजों में उत्पीड़न की घटनाएं सामने आती हैं और यह स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने सभी कॉलेजों में आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) को सक्रिय करने और सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की। आइसा के संभावित प्रत्याशी अभिषेक कुमार ने कहा कि हॉस्टल की कमी दिल्ली विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा संकट है। बाहरी राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए ठहरने की कोई सस्ती और सुरक्षित व्यवस्था नहीं है। सभा के अंत में एसएफआई-आइसा गठबंधन ने फर्जी कोर्स खत्म करने, फीस वृद्धि रोकने, रियायती मेट्रो पास लागू करने और सभी के लिए हास्टल बनाने जैसी मांगों को सामने रखा।

दिल्ली के मॉल में सीढ़ियों से फिसलकर गिरे एएसआई की मौत

- एएसआई विजय तिवारी दो बेटे और एक बेटी के साथ नंगली डेरी के पास राणा एन्क्लेव में रहते थे

नई दिल्ली। रानीबाग स्थित चुनमुन मॉल की सीढ़ियों से उतरते समय पैर फिसलने से गिरे रानीबाग थाने में तैनात एएसआई विजय तिवारी के सिर में गंभीर चोट लगी। आनन-फानन में एएसआई को मधुबन चौक स्थित सरोज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। साथ पूरे पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा व रानीबाग थाना एसएचओ प्रभांशु झा ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। इस दुख की घड़ी में हर पीड़ित परिवार को हर संभव साथ देने का भरोसा दिया।

51 वर्षीय एएसआई विजय तिवारी दो बेटे और एक बेटी के साथ नजफगढ़ रोड स्थित नंगली डेरी के पास राणा एन्क्लेव में रहते थे। पत्नी की 10 वर्ष पहले मौत हो चुकी है। विजय मूलरूप से बिहार के जिला सीवान स्थित नौवाडीह गांव के रहने वाले थे। वर्ष 1994 में दिल्ली पुलिस में बर्ती हुए थे।

संपादकीय

हाय बुढ़ापा! ढलता सूरज और बढ़ती तन्हाई

एक समय था जब घर की रौशनी माँ-बाप की मुस्कान में दिखती थी, जब उनका होना ही बरकत की निशानी माना जाता था। आज वही बुजुर्ग, जिनकी दुवाओं में कभी परिवार की सलामती बसती थी, जिंदगी के ढलते आलम में अकेले, उपेक्षित और परेशान हैं। उनकी आँखों में छाया अंधेरा न सिर्फ उम्र का, बल्कि अपनों की बेरुखी का नतीजा है – रिश्तों के इसी जंगल में कई बुजुर्ग अपने ही घर में बेघर हैं।बूढ़े माँ-बाप की आँखों में कभी घर का उजाला बसता था, आज वही आँखें अंधेरों में डूबी हैं। सड़क किनारे उपेक्षित, भीड़ के बीच अकेले, और रिश्तों के जंगल में बेघर–भारत के करोड़ों सीनियर सिटीजंस अपनी साँसों से ज्यादा अपने अकेलेपन से जूझ रहे हैं। यह एक खामोश त्रासदी है, जहाँ उम्र का बोझ नहीं, बल्कि अपनों की बेरुखी हड्डियों से ज्यादा दर्द देती है। भारत में सीनियर सिटीजन्स की हालत हर दिन चिन्ताजनक होती जा रही है। मुंबई की मिसाल लें – एक वृद्धा को अपनी बहू की बेरुखी और जुल्म का सामना करना पड़ा, यहाँ तक कि उसे खाने के लिए भी भीख मांगनी पड़ी। बहू ने पोते से दादी से मिलने-जुलने तक पर पाबंदी लगा दी। जब घर की गर्माहट इस तरह छिन जाती है, तो दिल पर ऐसा बोझ पड़ता है जिसे लफ़्ज़ों में बयान करना मुश्किल है। उम्र भर यूँ ही गलती करते रहे, गर्दिशों में चाँद की उलझे रहे, और नसीब पूछता रह गया – कहाँ हो?

दिल्ली की एक और कहानी भी दर्दनाक है। 70 वर्षीय विधुर से उनके अपने ही बच्चों ने सब कुछ लिखवा लिया, फिर तन्हा छोड़ दिया। एक दिन की रोटी के लिए दान पर रहना पड़ा। यही हकीकत उत्तर प्रदेश के छोटे गांवों में रोज लिखी जाती है – एक वृद्ध को उसके ही भतीजे ने संपत्ति विवाद में पीटा और घर से निकाल दिया। पुलिस ने कह दिया, पारिवारिक मामला है, हमारा वक्त जाया मत करो।

बंगलौर की एक 68 वर्षीय महिला, अपने ही बेटे-बहू के रहमोकरम पर थी, मगर वहाँ भी तिरस्कार मिला। समाज से, अपने बच्चों से, अपने आपसे। हर रिश्ते में सुराख–और हर लम्हे में सजा।

ओडिशा की 72 वर्षीय विधवा, जिसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं। उसकी झोपड़ी में पानी टपकता है, फटे कपड़ों में ठंड से काँपती वह, सरकार की मामूली पेंशन के सहारे जी रही है। आस-पड़ोस के लोग भी उसे कूड़े जैसी तुच्छ समझते हैं।

इन किस्सों में सामाजिक सच्चाई झलकती है।दिन-प्रतिदिन बढ़ती बुजुर्गों की दुश्वारियाँ न सिर्फ पारिवारिक, बल्कि सिस्टम की नाकामी भी उजागर करती हैं। परिवार वाले करियर, लाभ या ींङ्ग के लिए बड़ों की देखभाल नहीं करते हैं। संयुक्त परिवार की नींव डगमगा गयी है–अब बुजुर्ग दवा, देखरेख, या सहारे के लिए तरस रहे हैं, जिनके अपने खुद के बच्चे विदेशी नौकरी या शहर के ऊँचे डीलक्स फ़्लैट्स में कैद हैं। सरकार ने बुजुर्गों के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना जैसी कुछ योजनाएँ शुरू की हैं, मगर केवल 200-500 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जो वर्तमान खर्च के आगे ऊँट के मुँह में जीरा है। प्रधानमंत्री वय वंदना योजना जैसी स्कीम्स केवल बैठे-ठाले रिटायर्ड लोगों के लिये लाभदायक हैं, जबकि 90% श्रमिक असंगठित क्षेत्र में पेंशनविहीन सेवानिवृत्त होते हैं। मिलाजुलाकर तसव्वुर यही आता है–

अपनों के मकानों में बड़े जिल्लत से रहते हैं,
हम वो वृद्ध हैं जो सरकार की नजरों में बस आंकड़े हैं।

2025 में भारत में 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के करीब 15.87 करोड़ लोग हैं–जो अब कुल आबादी का 11% हैं। 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर 32-34.7 करोड़ पहुँच सकती है। यह ींङ्ग१स्रॅ परिवर्तन नये सामाजिक-अर्थिक संकट लेकर आ सकता है, अगर अभी ध्यान नहीं दिया गया।

अब जरूरी है कि सरकार एक समग्र, मजबूत पैकेज लेकर आए: बुजुर्गों के लिए इनकम टैक्स से छूट झ हर बड़े शहर में जेरियाट्रिक केयर सेंटर खोलना, झ मुफ़्त सार्वजनिक परिवहन और सभी जिलों में आधुनिक वृद्धाश्रम, जिसमें मेडिकल, मनोरंजन और राहत सेवा हो, झ पंचायत स्तर तक जागरूकता अभियान चलाना, झ गाँव-कस्बों में पेंशन वितरण की पारदर्शिता सुनिश्चित करना। समाज की जिम्मेदारी बनती है कि वह बुजुर्गों को इज्जत, प्यार और सुरक्षा दे– अब वक्त है कि सरकार और समाज मिलकर बुजुर्गों को तन्हा अंधेरे से निकालें, उनकी वाकई इज्जत और तसल्ली के साथ जीने लायक बनाएं। वरना यह ढलता सूरज हमेशा के लिए अस्त हो जाएगा, और मानवता के दामन पर एक और स्याह निशान छूट जाएगा। भारत अपने बुजुर्गों को–जो इसकी प्रगति के शिल्पकार हैं–नजरअंदाज नहीं कर सकता। त्वरित हस्तक्षेप के बिना, अंतिम वर्ष निराशा का दौर बने रहेंगे, न कि चिंतन का। अब समय है कि समाज और सरकार अपने कर्ज को सम्मान दें, यह सुनिश्चित करते हुए कि इस जनसांख्यिकीय लहर में कोई बुजुर्ग पीछे न छूटे।

बारिश और बाढ़ के सामने लाचार व्यवस्था

तारकेश्वर मिश्र

देश के कुछ राज्य इन दिनों बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहे हैं। इस स्थिति के चलते वहां का जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। इस साल अगस्त महीने की बात करें तो उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में बारिश ने मानों जैसे कहर ही ढा रखा हो। पंजाब, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान से लेकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड तक बारिश की मार के शिकार हैं। वहीं भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आई हैं जिसमें हाल ही में वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर आया भूस्खलन है वहीं उत्तरकाशी के धराली में भी इसने तबाही मचाई थी। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बबार्दी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। पंजाब में बाढ़ और भारी बारिश ने सबसे ज्यादा कहर बरपाया है। फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला सहित 9 जिले पूरी तरह प्रभावित हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 1312 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लुधियाना में सड़कें और गलियां तालाब बन गई हैं, जबकि गुरदासपुर में ठअ्रूङ्घटीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। अजनाला, नंगला और आनंदपुर साहिब में बाढ़ ने जनजीवन को ठप कर दिया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को भी गुरदासपुर, होशियारपुर, पठानकोट, कपूरथला, नवांशहर, रूपनगर, मोहाली, फतेहगढ़ साहिब, पटियाला और संगरूर सहित पंजाब के 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो गई।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम कट्टरपंथ

संजय पांडे

31 अगस्त से 3 सितम्बर के बीच, कोलकाता के अकादमी दफ़्तर, रफी अहमद किदवई रोड, कला मंदिर में उर्दू का हिंदी सिनेमा में योगदान विषय पर कार्यक्रम रखा गया था। इसमे मुशायरा, फिल्म स्क्रीनिंग, संगोष्ठियाँ होने थे। मुशायरे के मुख्य अध्यक्ष व अतिथि प्रसिद्ध गीतकार, कवि और पटकथा लेखक जावेद अख्तर और दूसरे अतिथि के रूप में फिल्मकार मुजफ्फर अली को आमंत्रित किया गया था। आयोजन-स्थल पर मुगल-ए-आजम, प्यासा, कागज के फूल, उमराव जान जैसी कालजयी क्लासिक फिल्मों के पोस्टर/बैनर लग चुके थे। शुरूआत में उर्दू अकादमी आयोजन के प्रति उत्साहित थी, लेकिन विरोध बढ़ने और माहौल बिगड़ने की आशंका के बाद उसने अचानक कार्यक्रम रद्द कर दिया। आधिकारिक बयान में कहा गया कि अनिवार्य परिस्थितियो और सुरक्षा कारणों के चलते यह निर्णय लिया गया। सरकार को डर था कि अख्तर पर हमला, स्याही फेंकने या उपद्रव या अन्य हिंसक घटनाएँ हो सकती हैं। उर्दू अकादमी के सेक्रेटरी नुजहत जैनब ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में घोषित किया कि, अनिवार्य परिस्थितियों के कारण 31 अगस्तझ3 सितम्बर, उर्दू इन हिन्दी सिनेमा कार्यक्रम स्थगित किया जाता है। इस बारे में बंगाल सरकार का दृष्टिकोण बड़ा दिलचस्प है। इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों के विरोध के बाद सरकार ने चुनावी वर्ष से पहले किसी को नाराज नहीं करने के लिए सरकार ने कार्यक्रम को स्थगित करने की भूमिका ली। साथ ही 2026 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए ममता बनर्जी सरकार किसी प्रकार का धार्मिक टकराव या हिंसा नहीं चाहती थी। सरकार और टीएमसी के नेता इस पर सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करना टाल रहे हैं। कई नेताओं ने प्रतिक्रिया देने से इनकार किया और कुछ ने स्याही-हमले जैसी अप्रिय घटना रोकने और सीधे जावेद अख्तर से न आने का आग्रह करके शर्मिंदगी ना उठानी पड़े इसलिए कार्यक्रम पर रोक लगाने का समर्थन किया। इससे निर्विवाद रूप से वामपंथ की सरकारों में जो बंगाल की उदार-धर्मनिरपेक्ष छवि थी उसे क्षति पहुंची है। सरकार, साहित्य और स्वतंत्रता के मूल्यों से समझौता करते हुए कट्टरपंथियों के दबाव में झुक गई। इस विवाद ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, साहित्य और राजनीति झ इन तीनों को एक साथ चर्चा के केंद्र में ला दिया।

जावेद अख्तर का विरोध करने वाले इस्लामी संगठनों में जमीयत उलेमा-ए-हिंद (बंगाल यूनिट), जमीयत उलेमा कोलकाता, वाइन फाउंडेशन इन तीन संगठनों के नाम प्रमुखता से आगे आए हैं। जमीयत उलेमा का कहना है कि, जावेद अख्तर ने इस्लाम, मुसलमानों और अल्लाह के विरुद्ध बहुत बुरी/अपमानजनक बातें की हैं। जमीयत उलेमा कोलकाता के महासचिव ज़िल्लुर रहमान आरिफ ने सार्वजनिक बयान दिया है कि यह व्यक्ति (जावेद अख्तर) इंसान नहीं बल्कि इंसान के रूप में शैतान है। जमीयत के उपाध्यक्ष ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि,झ वे (जावेद अख्तर) धर्म-विरोधी हैं और अन्य धर्मों के लोगों का अपमान करने पर आमादा रहते हैं। इस पत्र में तर्क दिया गया है कि, उर्दू अकादमी अल्पसंख्यक समुदाय के लिए है; ऐसे नास्तिक/धर्म-आलोचक को मंच देना समुदाय की भावनाओं को आहत करेगा। और मांग की गई है कि, उन्हें मुख्य अतिथि न बनाया जाए; उनकी जगह किसी योग्य और आस्थावान व्यक्ति को बुलाया जाए, चाहे उसका धर्म कोई भी हो। साथ ही धमकी जारी की है कि, यदि हमारी आपत्ति नहीं मानी गई, तो 2007 की तस्लीमा नसरीन प्रकरण जैसी लोकतांत्रिक आंदोलन/प्रदर्शन होंगे; हमने पहले भी ऐसा आंदोलन चलाकर उन्हें बंगाल छोड़ने पर मजबूर किया था। एक दूसरे मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन वाईन फाउंडेशन ने बयान जारी किया है कि, इससे युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही उन्होंने धर्म पर बहस के लिए जावेद अख्तर को आमंत्रित करने की चुनौती दी है। जमीयत, बंगाल यूनिट के महासचिव मुफ़्ती अब्दुस सलाम विरोध दर्ज कराते हुए कहा हमें उनके नास्तिक होने पर समस्या नहीं, पर उन्होंने कई मौकों पर धर्म पर अपमानजनक टिप्पणियाँ कीं–इसीलिए हमारा विरोध है। जमीयत उलेमा कोलकाता, महासचिव ज़िल्लुर रहमान आरिफ ने अपनी बयानबाजी में कहा ङ्घयह व्यक्ति शैतान हैङ्घ कार्यक्रम में शामिल न करें। बंगाल में अल्पसंख्यकों की भारी आबादी है और इन संगठनों के आगे सरकार के झुकने के कारण अनिवार्य परिस्थितियाँ कहकर कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। इसे ये मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन अपनी आपत्ति की सफलता मानते हुए खुशियाँ माना रहे हैं।

कुछ अखबारों में जावेद अख्तर का बयान छपा है जिसमे उन्होंने साफ कहा है कि मैं नास्तिक हूँ। मेरा नाम जावेद अख्तर का इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं; दोनों शब्द फारसी के हैं। केवल भारत में नामों को धर्म से जोड़ा जाता है। उन्होंने ये भी कहा है कि, मुझे दोनों तरफ–हिंदू और मुस्लिम–कट्टरपंथियों से गालियाँ मिलती हैं; जब दोनों गाली देते हैं तो समझता हूँ कि मैं कुछ सही कर रहा हूँ। उन्होंने उर्दू शेरोशायरी और कविताओं की शुरूआत से ही गैर-आस्थावादी, अंध-विश्वास विरोधी, समतावादी रुझान पर बल, वैज्ञानिक दृष्टि, संगठित धर्म की आलोचना जैसे पक्षों का हवाला देते हुए कोलकाता से उन्हे प्रेम होने की बात कही है। उन्होंने लिखा यह शहर उदार और प्रगतिशील है। मैं बोई मेला को तीर्थ मानता हूँ–हजारों लोग सिर्फ.किताबों के लिए आते हैं; यह भरोसा देता है कि दुनिया उतनी बुरी नहीं। इस तरह जावेद अख्तर ने विरोधियों के आरोपों का खुलकर जवाब दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे नास्तिक हैं और इस बात को कभी छिपाया नहीं है। उनका कहना था कि उन्हें जीवनभर दोनों ओर के कट्टरपंथियों–हिंदू और मुस्लिम–से हमले झेलने पड़े हैं। उनका तर्क था कि इस महोत्सव में वे धर्म पर भाषण देने नहीं, बल्कि साहित्य और सिनेमा में उर्दू की भूमिका पर चर्चा करने वाले थे। अख्तर ने कोलकाता और उसकी प्रगतिशील परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि यह शहर हमेशा बौद्धिक बहस, खुले विचारों और सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है। उन्होंने निराशा जताई कि यदि यहाँ भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटा जा रहा है, तो यह पूरे देश के लिए चिंताजनक है। उनके अनुसार, विरोध का असली कारण व्यक्तिगत नफरत और कट्टर सोच है, न कि साहित्य या समाज की भलाई।

बुद्धिजीवी, उर्दू-प्रेमी, सामाजिक कार्यकताओं, संगठनों, एसएफआइ समेत अन्य वामपंथी प्रगतिशील छात्र संगठनों ने देशभर में इसपर प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई लेखकों और विचारकों ने यह भी कहा कि उर्दू भाषा किसी एक धर्म की बपौती नहीं है। यह साझा सांस्कृतिक धरोहर है जिसने गालिब, फैज़, साहिर लुधियानवी जैसे दिग्गजों को जन्म दिया। साहित्य क्षेत्र से जुड़े मुदार पाथेरिया, जीशान मजीद, राकेश झुनझुनवाला, तैय्यब अहमद खान, जाहिर अनवर, पलाश चतुर्वेदी, मुईन-उद-दीन हामिद, स्मिता चंद्रा, स्पंदन रॉय बिस्वास, नवीन वोहरा, जाहिद हुसैन, अभय फडणिस और अन्य बुद्धिजीवियों ने इसकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने मिलकर उर्दू प्रेमियों और उदार मुसलमानों का मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है जिसमे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए, उनके रवैये पर आपत्ति जताई है कि, वेस्ट बंगाल उर्दू अकादमी (जिसके नाम में मुस्लिम शब्द नहीं) ने कट्टरपंथियों को खुश करने के लिए निमंत्रण वापस लिया। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है- उर्दू को मुस्लिमनेस से जोड़ना भाषा की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति को ठेस पहुँचाता है; अकादमी सांस्कृतिक संस्था है, धार्मिक नहीं। कवि की निजी आस्था/नास्तिकता को उसके विषय (हिंदी सिनेमा में उर्दू) से ऊपर रख दिया गया, जो धर्म से असंबंधित था। अब किसी भी संस्था को धर्म खतरे में है कहकर निर्णय पलटवाना आसान हो जाएगा। उदार बंगाल में, आपकी मुख्यमंत्रिता में, यह निराशाजनक है; हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की अपेक्षा रखते हैं। गजाला यास्मीन जो उर्दू अकादमी गवर्निंग बॉडी और अलिया यूनिवर्सिटी से संबंधित हैं उन्होंने कहा है- उर्दू एक भारतीय भाषा है–किसी धार्मिक संबद्धता के बिना–इसे सांस्कृतिक, सौंदर्यात्मक और साहित्यिक उत्कृष्टता के लिए मनाया जाना चाहिए।

न्यायालय की फटकार और डॉक्टरों की लिखावट

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा। अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है। भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए।

यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुँचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है। यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं झ मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच - तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक हैः सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है – वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की सॉवरेन रेटिंग को उन्नत किया है। महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है। भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है। हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक लौंड्रोमैट बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं। मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है। यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में उछाल आने पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए निर्णायक रूप से कदम उठाए। तेल से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान को सहन किया। सरकार ने केन्द्रीय और राज्य के करों में कटौती की और निर्यात से जुड़े नियमों ने यह अनिवार्य किया कि विदेशों में पेट्रोल और डीजल बेचने वाले रिफाइनर को घरेलू बाजार में कम से कम 50 प्रतिशत पेट्रोल और 30 प्रतिशत डीजल बेचना होगा। बड़ा सच यह है कि वैश्विक तेल का लगभग 10 प्रातशत आपूर्ति करने वाले दुनिया के इस दूसरे सबसे बड़े उत्पादक का कोई विकल्प ही नहीं है। जो लोग उंगली उठा रहे हैं, वे इस तथ्य की अनदेखी करते हैं। वसुधैव कुटुम्बकम के अपने सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप भारत द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के विनाशकारी झटके को रोका गया।

यह वही मेड इन इंडिया है जो विश्व दृष्टिकोण के लिए भारत में आकार ले रही नई औद्योगिक क्रांति को आकार देता है। इस औद्योगिक क्रांति में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और विशेष रसायन शामिल हैं - जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई) और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स के सहारे संचालित हैं। सेमीकंडक्टर के उत्पादन में तेजी अब एक नए स्तर पर पहुंच रही है - जो नीतिगत गंभीरता और क्रियान्वयन का प्रमाण है। मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

बीमारी की अफवाह पर राष्ट्रपति ट्रंप ने तोड़ी चुप्पी

● खराब सेहत की खबरों पर ट्रंप ने तोड़ी चुप्पी
● मैं इस वीकेंड काफी एक्टिव था : ट्रंप

वाशिंगटन
पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीमारी पर बहस छिड़ी हुई है। कई लोग कयास लगा रहे थे कि ट्रंप की तबीयत खराब है। हालांकि, ट्रंप ने मीडिया के सामने आकर इन सभी कयासों पर पूर्ण विराम लगा दिया है। ट्रंप ने अपनी बीमारी की खबरों को अफवाह बताया है। ट्रंप का कहना है कि वो बिल्कुल ठीक हैं और लेबर डे पर वीकेंड मनाने के लिए वो वर्जीनिया गोल्फ कोर्स गए थे।

ट्रंप ने दिया जवाब
डोनाल्ड ट्रंप की गैरमौजूदगी के बाद उनकी सेहत पर सवाल उठने लगे थे। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान ने इन अफवाहों को और भी ज्यादा हवा दे दी थी। बीमारी की खबरों को खारिज करते हुए ट्रंप ने कहा- यह फेक न्यूज थी। मैं इस वीकेंड पर बहुत ज्यादा एक्टिव था। 79 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर बैठने वाले सबसे अधिक उम्र के शख्स हैं। ट्रंप पिछले कई दिनों से मीडिया के सामने नहीं आए और न ही उनकी तरफ से कोई बयान आया था।

जेडी वेंस का बयान
गुरुवार को अमेरिकी अखबार में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का एक इंटरव्यू छपा। इसमें जब वेंस से पूछा गया, "क्या वो कमांडर इन चीफ बनेंगे?" इसपर जेडी वेंस ने कहा, "ट्रंप यह जिम्मेदारी बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। हां अगर राष्ट्रपति को कुछ हुआ तो मैं बन सकता हूं।"

ट्रंप की सेहत पर व्हाइट हाउस ने दिया था बयान
जेडी वेंस के इस बयान के बाद ट्रंप की बीमारी की खबरों को हवा मिल गई। इसके पहले 17 जुलाई को व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने बताया था कि ट्रंप के पैरों में सूजन आ गई है और दाहिने हाथ में भी चोट के निशान हैं। ट्रंप की चोट की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी थीं, जिसपर लेविट ने बताया कि कई लोगों से हाथ मिलाने के कारण उनके हाथों में कुछ निशान बन गए हैं।

पुतिन और किम को शुभकामनाएं देना, चिनफिंग के लिए ट्रंप का पोस्ट

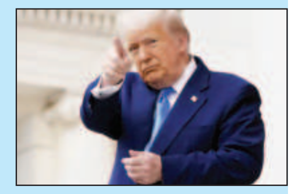

नई दिल्ली
चीन के विक्ट्री डे परेड में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन मौजूद रहे। इस दौरान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि हम किसी के धौंस दिखाने से नहीं डरते हैं। यह परेड विश्व युद्ध-क्क में जापान की हार की 80वीं सालगिरह के मौके पर हुई। इस बीच ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल से एक पोस्ट कर लिखा, "सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग उस अपार समर्थन और खून का जिक्र करेंगे जो संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीन को एक बेहद अमित्र विदेशी आक्रमणकारी से आजादी दिलाने में दिया था।" ट्रंप ने लिखा, "चीन की विजय और गौरव के लिए कई अमेरिकी शहीद हुए। मुझे उम्मीद है कि उन्हें उनके साहस और बलिदान के लिए उचित सम्मान और याद किया जाएगा। राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीन के अद्भुत लोगों के लिए यह एक महान और स्थायी उत्सव का दिन हो। कृपया व्लादिमीर पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं दें, क्योंकि आप संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।"

ट्रंप नोबेल की चाहत में भारत से रिश्ते बिगाड़ रहे: अमेरिकी सांसद

● ट्रंप ने भारत पर 50% टैरिफ लगाकर 30 सालों की मेहनत को चौपट कर दिया है : खन्ना

वाशिंगटन
अमेरिकी सांसद आरओ खन्ना ने डोनाल्ड ट्रंप पर भारत-अमेरिका संबंधों को नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत में बर्बाद करने का आरोप लगाया है।

खन्ना का कहना है कि ट्रंप ने भारत पर 50% टैरिफ लगाकर 30 सालों की मेहनत को चौपट कर दिया है जिससे भारत को चीन और रूस के करीब जाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने भारतीय-अमेरिकियों से इस मुद्दे पर आवाज उठाने की अपील की है। आरओ खन्ना ने कहा कि ट्रंप की हरकतों से भारत को चीन-रूस के करीब जाने का मौका मिल रहा है।

डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। अमेरिका के मशहूर सांसद और भारतीय मूल के नेता आरओ खन्ना ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपपर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ट्रंप अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत में भारत-अमेरिका के रिश्तों को बर्बाद कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

नहीं बंद हो रहा हूती विद्रोहियों का उत्पात, लाल सागर में तेल के टैंकर पर दागी मिसाइल

नई दिल्ली। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने लाल सागर में सऊदी अरब के तट पर एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी है, जिससे इस अहम समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर उनके हमले फिर से शुरू होने की आशंका है। हूती सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने एक रिकॉर्डेड संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस जहाज स्कारलेट रे को निशाना बनाया गया, उसका संबंध इजरायल से है।

100 से अधिक जहाज बने निशाना
ब्रिटिश सेना के पश्चिम एशिया में नौवहन पर नजर रखने वाले यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने पहले बताया कि एक जहाज ने सऊदी अरब के पास तट पर पानी में धमाके की आवाज सुनी। नवंबर 2023 से दिसंबर 2024 के बीच हाउतियों ने गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध के कारण 100 से अधिक जहाजों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। हूतियों के नए हमले ऐसे समय में हो रहे हैं जब इजराइल-हमास युद्ध में संभावित नए युद्धविराम पर अनिश्चितता बनी हुई है। इजराइल ने पिछले हफ्ते कई हवाई हमले किए थे, जिसमें हूतियों के प्रधानमंत्री और कई कैबिनेट सदस्यों को मार दिया गया था।

हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय में मारा छापा, 11 कर्मचारियों को बनाया बंधक

सना। यमन के बड़े इलाके पर कब्जा कर वहां सत्ता चला रहे हाउती संगठन के लड़ाकों ने राजधानी सना में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यालय पर छापेमारी की। लड़ाकों ने सना स्थित यूनीसेफ के कार्यालय में भी छापा मारा। लड़ाकों ने संयुक्त राष्ट्र के कई कर्मचारियों-अधिकारियों से पूछताछ की। इसके बाद 11 कर्मियों अपने कब्जे में लेकर चले गए। उनकी खैरियत के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिली। यूनीसेफ के प्रवक्ता अम्मार अम्मार ने यह जानकारी दी है। बताया गया है कि यह छापेमारी गुरुवार को सना में हुए इजरायली हमले के सिलसिले में हुई है। इस हमले में यमन की हाउती सरकार के प्रधानमंत्री और कई कैबिनेट मंत्रियों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान गिलगित-बाल्टिस्तान में सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 5 की मौत

नई दिल्ली। पाकिस्तान में सेना का हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया है। हादसा गिलगित-बाल्टिस्तान में हुआ, जिसमें दो सैन्य अधिकारियों सहित पांच जवानों की मौत हो गई। मारे गए लोगों की पहचान पायलट-इन-कमांड मेजर आतिफ, सह-पायलट मेजर फैसल, फ्लाइट इंजीनियर नायब सूबेदार मकबूल, क्रू चीफ हवलदार जहांगीर और क्रू चीफ नायक आमिर के रूप में हुई है।

पाकिस्तान में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश
पाकिस्तान सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि रेगूलर ट्रेनिंग पर निकले एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने तकनीकी खराबी आने के बाद लैंडिंग की कोशिश की, इस दौरान वो दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसा दियामर में थकदास छावनी से लगभग 12 किलोमीटर दूर हुदोर गांव के पास रात लगभग 1 बजे हुई।

हादसे में 2 अधिकारियों सहित 5 जवानों की मौत
इससे पहले, गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने कहा था कि "हमारा एक हेलीकॉप्टर" डायमर जिले के चिलास इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट सहित पांच सदस्य मारे गए। उनके बयान से ऐसा लग रहा था कि हेलीकॉप्टर गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार का था और मारे गए लोग भी क्षेत्रीय सरकार के ही थे।

पाकिस्तान में ड्रोन की मदद से निकाले जा रहे बाढ़ में फंसे लोग

● नदियां उफान पर आकर निचले इलाकों में पहुंच गई
● सबसे बड़ी बाढ़ का सामना कर रहे

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आपातकालीन कर्मचारियों ने भीषण बाढ़ में छतों पर फंसे लोगों को ढूंढने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। सरकार ने अपने बचाव अभियान में अब तक नौ लाख से अधिक लोगों को निकाला है। पाकिस्तान मौसम विभाग ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित जिलों और देश के अन्य स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी दी है, जहां कई सप्ताह से सामान्य से अधिक बारिश हो रही है। पिछले सप्ताह भारत के बांधों से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण नदियां उफान पर आकर निचले इलाकों में पहुंच गई हैं।

अब तक की सबसे बड़ी बाढ़
अधिकारियों का कहना है कि देश का सबसे अधिक आबादी वाला प्रांत पंजाब अब तक की सबसे बड़ी बाढ़ का सामना कर रहा है। मुल्तान और झांग जिलों में सोमवार को निवासियों ने बाढ़ के पानी में अपना सामान लेकर सड़कों के किनारे और ऊंची जगहों पर पहुंचे।

अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए मोदी, पुतिन और शी ने दिखाई एकजुटता: अमेरिकी मीडिया

● चीन को ग्लोबल साउथ को बढ़ावा देने और भारत को अमेरिका से दूर करने का मौका मिला

वाशिंगटन। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भारत, रूस और चीन की एकजुटता की तस्वीरें अमेरिकी मीडिया में अब भी ताजा हैं। तियानजिन से दुनिया के लिए निकले संदेश की सम्मेलन के दो दिन बाद भी समीक्षा की जा रही है और पावर शो के लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। कहा जा रहा है कि ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीतियों के जवाब में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए जानबूझकर एकजुटता प्रदर्शित की गई। द न्यूयार्क टाइम्स ने त्रिगुट की मुस्कुराती अभिव्यक्ति शीर्षक से लिखा कि ये अमेरिकी वैश्विक नेतृत्व का विकल्प प्रस्तुत कर रहा है। अखबार ने इस बात पर गौर किया कि पुतिन की लिमोजिन में प्रधानमंत्री मोदी का साथ-साथ जाना गर्मजोशी बयान करता है। सीएनएन ने शिखर सम्मेलन में दिखावे पर अधिक जोर दिया, जिसमें शी ने प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के लिए लाल कालीन बिछाया, जबकि एससीओ को अमेरिका के नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था के विकल्प के रूप में चित्रित किया। फॉक्स न्यूज ने मोदी की बैठकों को वाशिंगटन के लिए एक "स्पष्ट फटकार" बताया, जो ट्रंप टैरिफ का जवाब माना जा रहा है। सीएनबीसी पर यूरेशिया समूह के जेरेमी चान ने बताया कि सम्मेलन में ट्रंप के टैरिफ को नया जीवन मिला, जबकि चीन को ग्लोबल साउथ को बढ़ावा देने और भारत को अमेरिका से दूर करने का मौका मिला।

हमास को खत्म करने तक नहीं रुकेगा इजरायल, सेना की गाजा में कार्रवाई तेज

● शी ने दर्शकों को संबोधित किया।
● परेड में ड्रोन, और टैंक जैसे आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन

तेल अवीव
इजरायली सेना की गाजा पट्टी में कार्रवाई जारी है। सेना ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने का दावा किया है। उत्तरी गाजा में निगरानी चौकियों और एक टैंक-रोधी मिसाइल दागने वाले स्थल पर हमला किया गया।

मिस्त्र ने सैन्य अभियान के विस्तार की निंदा की
सैनिकों ने जबालिया के पास कैमरों और भूमिगत विस्फोटक स्थलों को भी निशाना बनाया। गाजा पट्टी में मंगलवार को 47 लोग मारे गए। मिस्त्र ने इजरायली सैन्य अभियान के विस्तार की निंदा की है।

फलस्तीनियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनियां
इजरायल ने मंगलवार को गाजा में रहने वाले फलस्तीनियों को एक बार फिर से सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनियां दी है।

इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने कहा कि युद्ध अभियानों का जल्द ही विस्तार होगा और गाजा शहर के दक्षिण में एक अस्थायी शिविर मुवासी में सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वरिष्ठ अधिकारियों की चेतावनियों के बावजूद, हमले को तेज करना चाहते हैं।

गाजा में इजरायली हवाई हमलों में 31 लोगों की मौत

नई दिल्ली। गाजा पट्टी में रविवार को भी इजरायली हमले जारी रहे। इन हमलों में 31 लोगों के मारे जाने की सूचना है। गाजा सिटी में घुसकर जमीनी कार्रवाई करने और कुछ अन्य मसलों पर इजरायल सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक हुई है। इसमें कार्रवाई के दौरान होने वाले भारी खूनखराबे की आशंका पर विचार किया गया। बैठक का ब्योरा सार्वजनिक नहीं किया गया है। गाजा पट्टी के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर भीषण गोलाबारी और बमबारी हुई। इससे बड़ी संख्या में मकान ध्वस्त हुए हैं। इजरायली हमले की आशंका से उपनगरों के ज्यादातर मकान खाली हैं।

हम धौंस जमाने वालों से नहीं डरते: शी चिनफिंग

● शी ने दर्शकों को संबोधित किया।
● परेड में ड्रोन, और टैंक जैसे आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। चीन की राजधानी बीजिंग में तियानमेन स्क्वायर पर इतिहास का सबसे बड़ा सैन्य परेड हुआ। इस इवेंट में राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दुनिया को चेतावनी दी कि मानवता को अमन या जंग, बातचीत या टकराव और सबके लिए फायदा या नुकसान के बीच रास्ता चुनना होगा। इस मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन उनके खास मेहमान थे। यह परेड विश्व युद्ध में जापान की हार की 80वीं सालगिरह के मौके पर हुई, जिसमें चीन अपनी सैन्य ताकत और कूटनीतिक रसूख दिखाना चाहता था। लेकिन पश्चिमी मुल्कों के नेताओं ने इस जलसे से दूरी बनाए रखी, क्योंकि पुतिन और किम को यूक्रेन जंग की वजह से वहां अलग-थलग किया गया है।

माओ की स्टाइल में दिखे शी चिनफिंग
शी ने माओ जेदोंग स्टाइल का सूट पहनकर 50,000 से ज्यादा दर्शकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "चीन का अवाम इतिहास के सही रास्ते पर मजबूती से खड़ा है।" परेड में हाइपरसोनिक मिसाइलें, ड्रोन, और टैंक जैसे आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन हुआ। शी ने 20 से ज्यादा नेताओं का स्वागत किया, जिनमें इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भी शामिल थे। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस जलसे को अमेरिका के खिलाफ साजिश करार दिया, हालांकि उन्होंने शी के साथ अपने "अच्छे रिश्ते" की बात भी दोहराई। शी चिनफिंग ने संबोधित करते हुए कहा, "हम चीन की जीत की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैं।"

चीन के लोगों से इतिहास को याद रखते हुए उन दिग्गजों को याद करना चाहिए, जिन्होंने जापान से लड़ाई लड़ी।"

लश्कर का संगठन टीआरएफ जुटाता है गतिविधियों के लिए पैसा?

● टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया है जो लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा

नई दिल्ली। पाकिस्तान की आतंकी चाल एक बार फिर दुनिया के सामने बेपर्दा हो गई है। अमेरिका ने हाल ही में द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी इकाई घोषित किया है। अब सामने आया है कि ये संगठन विदेशी फंडिंग पर चलती है। यह कदम पाकिस्तान के लिए करारा झटका है, क्योंकि टीआरएफ कोई और नहीं, बल्कि लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा है। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने टीआरएफ की गतिविधियों की जांच में ऐसी सनसनीखेज जानकारियां उजागर की हैं। ये प्रूफ पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के शिकंजे में और कस सकती हैं।

पाकिस्तान का खूनी खेल होगा खत्म?
इससे साफ होता है कि कैसे टीआरएफ के जरिए पाकिस्तान कश्मीर में आतंक को स्थानीय रंग देने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अब उसका यह खेल खत्म होने की कगार पर है। टीआरएफ को 2019 में बनाया गया था, ताकि कमजोर पड़ चुके हिजबुल मुजाहिदीन की जगह ली जाए और लश्कर-ए-तैयबा को छिपाने का एक नया चेहरा मिले। पाकिस्तान की मंशा थी कि कश्मीर में होने वाले आतंकी हमलों को स्थानीय बगावत का नाम देकर दुनिया की आंखों में धूल झोंकी जाए। लेकिन एनआईए की जांच ने साबित कर दिया कि टीआरएफ न तो स्थानीय है और न ही स्वतंत्र। यह पूरी तरह से पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के इशारों पर नाचने वाली कठपुतली है।

हंट्सविले को क्यों कहा जाता है 'रॉकेट सिटी'? जहां बनेगा स्पेस कमांड

● अलबामा में बनेगा अमेरिकी स्पेस कमांड का मुख्यालय
● हंट्सविले में बनेगा स्पेस कमांड

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन के फैसले को पलटते हुए अमेरिका का स्पेस कमांड अलबामा में स्थापित करने का आदेश दिया है। अमेरिका के अलबामा और कोलोराडो के बीच लंबे समय से स्पेस कमांड की लड़ाई चल रही है, जिसपर ट्रंप ने ब्रेक लगा दिया है। जो बाइडेन के कार्यकाल में कोलोराडो में अस्थायी स्पेस कमांड बनाया गया था, जिसे ट्रंप ने अब अलबामा के हंट्सविले ले जाने का आदेश दिया है। हंट्सविले में स्पेस कमांड बनाने का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, "अमेरिकी स्पेस कमांड का मुख्यालय अब अलबामा की खूबसूरत शहर हंट्सविले में होगा। अब इसे 'रॉकेट सिटी' कहा जाएगा। अलबामा ने लंबे समय से इसके लिए संघर्ष किया है।" अमेरिकी स्पेस कमांड अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन को ऑपरेट करने के लिए बनाया गया है। सैटेलाइट-बेस्ड नेविगेशन, सेना के संचार स्थापित करना और मिसाइल हमले का अलर्ट जारी करना अमेरिकी स्पेस कमांड की अहम जिम्मेदारी होती है।

पाकिस्तान के क्वेटा में एक रैली में बम विस्फोट, 11 लोगों की मौत

क्वेटा
पाकिस्तान के क्वेटा शहर में एक बड़े बम विस्फोट की खबर सामने आई है और इस विस्फोट में 10 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है। बम विस्फोट में 11 लोगों की मौत पुलिस अधिकारी हमजा शफात ने बताया कि पाकिस्तान के क्वेटा शहर में एक राष्ट्रवादी नेता की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित एक रैली के पार्किंग क्षेत्र में हुए बम विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई। शफात ने बताया कि पूर्व प्रांतीय मुख्यमंत्री सरदार अताउल्लाह मेंगल के बेटे

सरदार अख्तर मेंगल, जो रैली में मौजूद थे, सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि 30 अन्य लोग घायल हुए हैं।

पार्किंग क्षेत्र में बम विस्फोट हुआ
उन्होंने कहा कि हमें मिली रिपोर्टों के अनुसार, जब लोग रैली से निकल रहे थे, तब पार्किंग क्षेत्र में बम विस्फोट हुआ।

हर पाकिस्तानी बाल्टी में भर लें बाढ़ का पानी', रक्षा मंत्री का 'ज्ञान' सुनकर माथा पीट लेंगे आप

● बाढ़ के पानी को नालियों में बहाने के बजाए घरों में कंटेनरों और टब में स्टोर करके रखें

नई दिल्ली। पाकिस्तान इन दिनों भीषण बाढ़ की मार झेल रहा है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मानसूनी बारिश के आई विनाशकारी बाढ़ से 24 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, वहीं एक हजार से ज्यादा गांव पानी में समा गए हैं। ऐसे नाजुक दौर में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का अजीबो-गरीब बयान सामने आया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बाढ़ प्रभावित लोगों को सलाद देते हुए कह रहे हैं कि वे बाढ़ के पानी को नालियों में बहाने के बजाए घरों में कंटेनरों और टब में स्टोर करके रखें, साथ ही पाकिस्तानी इस बाढ़ को आशीर्वाद के रूप में देखें।

ख्वाजा आसिफ का पानी वाला ज्ञान
एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा, "जो लोग बाढ़ जैसे हालत के खिलाफ प्रदर्शन रहे हैं , उन्हें बाढ़ के पानी को अपने घरों में ले जाना चाहिए। लोगों को इस पानी को अपने घरों में टबों और बर्तनों में स्टोर कर लेना चाहिए।

'भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी है बातचीत' : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे, तनाव कम कम होता जाएगा। केंद्रीय मंत्री गोयल ने नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 20वें वैश्विक स्थायित्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उनका यह बयान ट्रंप प्रशासन के नई दिल्ली की रूसी तेल की निरंतर खरीद के जवाब में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना करने के कुछ ही दिनों बाद आया है। गोयल ने कहा, हम बीटीए के लिए अमेरिका के साथ वार्ता कर रहे हैं। भारत और अमेरिका मार्च से इस समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। 27 अगस्त से 50 फीसदी शुल्क लगाए जाने के बाद अमेरिकी दल ने अगले दौर की वार्ता के लिए भारत का अपना दौरा स्थगित कर दिया है, जो 25 अगस्त से शुरू होने वाली थी। अभी तक छठे दौर की वार्ता के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है। गोयल ने कहा कि भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ब्रिटेन और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है।

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे: वित्त मंत्री

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार 'पूरी तरह' अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे। इससे अनुपालन का बोझ और कम होगा और छोटे व्यवसायों को लाभ होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री आज तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। सीतारमण ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, 56 करोड़ से ज्?यादा जन-धन खाते खोले गए हैं, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। उन्?होंने कहा कि इनमें से 67 फीसदी खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, जिसमें 56 फीसदी खाते महिलाओं के पास हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक खाता सिर्फ एक पासबुक नहीं है, बल्कि ये अवसरों का पासपोर्ट है, जो ऋण, बचत, बीमा और सम्मान तक पहुंच को सक्षम बनाता है। सीतारमण ने कहा कि भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में भारी सुधार दर्ज किया है, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में कमी आई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है।

बैंक धोखाधड़ी मामले में दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गोवा में ईडी के छापे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामलों की जांच के सिलसिले में दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गोवा में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 'अरविंद रेमेडीज' कंपनी और उसके प्रवर्तक अरविंद बी. शाह के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत तमिलनाडु के चेन्नई और कांचीपुरम, कोलकाता और गोवा के कुछ परिसरों पर छापेमारी की गई। एक अन्य मामले में ईडी ने 'गुप्ता एक्जिम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी के खिलाफ जांच के तहत कुल 10 ठिकानों (दिल्ली में नौ और पुणे में एक) जगह पर छापे मारे हैं। जानकारी के मुताबिक ईडी की ये छापेमारी जुलाई, 2021 के धन शोधन मामले से जुड़ी है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले को लेकर अक्टूबर, 2016 में एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें कंपनी और उसके प्रवर्तक पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह से करीब 637 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है।

'अकाउंट एग्रीगेटर' इकोसिस्टम औपचारिक ऋण पहुंच में नए आयाम खोलेगा वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय 'अकाउंट एग्रीगेटर' परिवेश औपचारिक ऋण पहुंच में विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) एवं व्यक्तिगत ऋण के लिए नए आयाम खोलने के लिए तैयार है। ये 2047 तक विकसित भारत की दिशा में भारत की यात्रा में सार्थक योगदान देगा। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अकाउंट एग्रीगेटर (एए) फ्रेमवर्क आधिकारिक तौर पर 2 सितंबर, 2021 को लॉन्च किया गया, जिसने वित्तीय डेटा साझा करने के लिए एक सुरक्षित, सहमति-आधारित प्रणाली स्थापित की। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 2016 में 'एए' पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मास्टर दिशा-निर्देश जारी किए थे। मंत्रालय ने चौथी वर्षगांठ पर कहा कि एए पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से विकसित हुआ है। बैंकिंग, प्रतिभूति, बीमा और पेंशन क्षेत्रों में इसे तेज़ी से अपनाया जा रहा है, जिससे भारत का डीपीआई (डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना) मज़बूत हो रहा है।

मौरी टेक और पेस डिजिटेक सहित 5 कंपनियों के आईपीओ को सेबी ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 5 कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। इन कंपनियों में मौरी टेक लिमिटेड, पेस डिजिटेक लिमिटेड, ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स लिमिटेड, केएसएच इंटरनेशनल लिमिटेड और प्रायोरिटी ज्वेल्स लिमिटेड शामिल है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने जारी एक अपडेट में बताया कि मौरी टेक लिमिटेड, पेस डिजिटेक लिमिटेड, ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स लिमिटेड, केएसएच इंटरनेशनल लिमिटेड और प्रायोरिटी ज्वेल्स लिमिटेड को को आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से अंतिम अवलोकन हो गया है। हैदराबाद स्थित आईटी समाधान और सेवा प्रदाता कंपनी, मौरी टेक लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम

(आईपीओ) के जरिए 1500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) 7 मई, 2025 को फिर से दाखिल किया था। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले आईपीओ में 250 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने और प्रमोटर एवं अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 1,250 करोड़ रुपये तक के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल हैं। इस ओएफएस में सुजय पटूरू द्वारा 726.30 करोड़ रुपये, अनिल रेड्डी येरामरेड्डी द्वारा 370.60 करोड़ रुपये और श्रीनिवासु राव संदका द्वारा 153.10 करोड़ रुपये तक के शेयर शामिल हैं। बेंगलुरु स्थित दूरसंचार निष्क्रिय अवसंरचना समाधान प्रदाता कंपनी पेस डिजिटेक लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 900 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास 3 अप्रैल, 2025 को अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 2 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 900 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया निर्गम है। कंपनी की योजना इस निर्गम से प्राप्त 630 करोड़ रुपये की राशि पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण में खर्च करने की है, जबकि शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

स्टॉक मार्केट में अनलोन हेल्थकेयर की सपाट शुरुआत से निवेशक निराश

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्युटिकल इंटरमीडिएट्स और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स का उत्पादन करने वाली कंपनी अनलोन हेल्थकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 91 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 91 रुपये के स्तर पर ही हुई, जबकि एनएसई पर 1 प्रतिशत प्रीमियम के साथ कंपनी के शेयर 92 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद भी कंपनी के शेयर सीमित दायरे में कारोबार करते नजर आ रहे हैं। सुबह 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद अनलोन

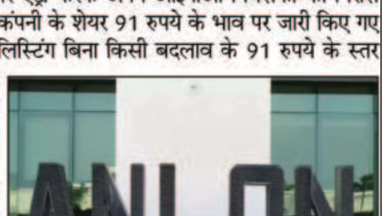

हेल्थकेयर के शेयर 91.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। अनलोन हेल्थकेयर का 121 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 29 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 86 से 91 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया था। इस आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का विस्तार करने, पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज प्रति 10 ग्राम 1,06,100 रुपये से लेकर 1,06,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 97,260 रुपये से लेकर 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,27,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,06,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,06,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 97,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,06,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,06,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 97,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वित्त मंत्री से श्रमिकों की सुरक्षा के लिए राहत और संरचनात्मक सुधार पैकेज देने का आग्रह

एजेंसी

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रत्न एवं आभूषण, चमड़ा संघों और कपड़ा उद्योग को प्रभावित करने वाली आर्थिक चुनौतियों के साथ-साथ 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ को लेकर चिंताओं के बीच उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने तमिलनाडु के चेन्नई में आयोजित इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय समान के अमेरिका निर्यात पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने से होने वाले नुकासन को लेकर बैठक की। सीतारमण ने रत्न एवं आभूषण और चमड़ा संघों तथा कपड़ा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक की।

बैठक में उद्योगों ने केंद्र सरकार से उद्योगों के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा के लिए राहत और संरचनात्मक सुधार पैकेज देने का आग्रह किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने हाल

ही में दावा किया था कि अमेरिका के शुल्क बढ़ाकर 50 फीसदी करने से राज्य के निर्यात पर बुरा असर पड़ा है। इससे तिरुपुर को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही हजारों नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। वित्त मंत्री के साथ इस बैठक में भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंथिरन और भाजपा की राष्ट्रीय महिला इकाई की अध्यक्ष एवं कोयंबटूर दक्षिण से विधायक वनथी श्रीनिवासन भी बैठक में शामिल हुईं।

गिरिराज सिंह ने सीसीआई के किसान-केंद्रित कपास किसान ऐप को किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कपास किसान ऐप को लॉन्च किया। कपास किसान ऐप न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत किसानों से कपास की निर्बाध खरीद सुविधाजनक बनाने के लिए वस्त्र मंत्रालय के भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा विकसित नया मोबाइल एप्लिकेशन है। वस्त्र मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कपास किसान ऐप का शुभारंभ किया है। ये नया मोबाइल ऐप किसानों को स्व-पंजीकरण, स्लॉट बुकिंग और भुगतान स्थिति जानने में सहायक है। मंत्रालय ने बताया कि यह ऐप किसानों को भुगतान के बारे में जानकारी प्रदान करेगा, जिससे कपास खरीद प्रक्रिया में अधिक तेजी, पारदर्शिता और सुगमता आएगी। गिरिराज सिंह ने ऐप की लॉन्चिंग के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि किसान-प्रथम

यह मोबाइल ऐप कपास उत्पादक किसानों के लिए उनकी उपज की बिक्री अधिक आसान बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल ऐप से पंजीकरण से लेकर भुगतान स्थिति तक सभी न्यूनतम समर्थन मूल्य संचालन समय पर पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से सुनिश्चित होगा, जो किसानों को किसी संकटकालीन बिक्री से बचाने और डिजिटल इंडिया अभियान को गति प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

उन्होंने कहा कि इस ऐप के जरिए किसान एमएसपी के तहत कपास बेचने के लिए खुद को पंजीकृत कर सकते हैं। इसके साथ ही निर्दिष्ट खरीद केंद्रों के डिजिटल शेड्यूलिंग से प्रतीक्षा समय और भीड़ कम करने, गुणवत्ता मूल्यांकन का वास्तविक समय अपडेट, स्वीकृत मात्रा, भुगतान प्रक्रिया और कई भारतीय भाषाओं में इसकी जानकारी मिलने से किसान लाभान्वित होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह ऐप कपास किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित कर किसी भी संकटपूर्ण बिक्री से बचाने में मदद करेगा। इससे कागजी कामकाज में कमी आएगी और खरीद केंद्रों पर समय की बचत के साथ ही पारदर्शिता बढ़ेगी। किसानों को सुविधाजनक समय चुनने की स्वतंत्रता से योजना बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

एप्पल ने बेंगलुरु में खोला अपना पहला खुदरा स्टोर

एजेंसी

नई दिल्ली। एप्पल ने बेंगलुरु में अपना पहला खुदरा स्टोर एप्पल हेब्बल नाम से खोला। दिल्ली और मुंबई के बाद अब ये कंपनी का दक्षिण भारत में पहला और देश में तीसरा स्टोर है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 'एप्पल हेब्ब्ल' नाम का यह स्टोर ग्राहकों को एप्पल उत्पादों, सेवाओं और सहायता की पूरी श्रृंखला के साथ ही निःशुल्क 'टुडे एट एप्पल' सत्र की सुविधा भी देगा। इस सत्र की मदद से उपयोगकर्ताओं को अपने उपकरणों का अधिकतम लाभ उठाने में मदद मिलेगी। एप्पल ने अपने ऑनलाइन मंच के अलावा मुंबई में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला भारतीय स्टोर 'एप्पल बीकेसी' खोला था। उसके बाद दिल्ली में 'एप्पल साकेत' की शुरुआत हुई। एप्पल ने कहा कि ये नया स्टोर 100 फीसदी नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित है। एप्पल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (खुदरा और जनसमूह) डिएड्रे ओ'ब्रायन ने बयान में कहा, ''हमें एप्पल हेब्बल

खोलकर खुशी हो रही है, जो बेंगलुरु की नवाचार की भावना का जश्न मनाने वाला एक सामुदायिक केंद्र है।'' उन्होंने कहा कि एप्पल हेब्बल में ग्राहक नए उत्पादों का आनंद ले सकते हैं, जिनमें आईफोन-16, एम4 चिप से संचालित मैकबुक प्रो, एप्पल पेंसिल प्रो के साथ आईपैड एयर, एप्पल वॉच सीरिज 10, एयरपॉड 4 और एयरटैग शामिल हैं।

उतार-चढ़ाव के बीच डॉलर की तुलना में पांच पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार की तरह ही मुद्रा बाजार में भी जबरदस्त उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर की तुलना में मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन के पहले सत्र में रुपया लगातार मजबूत होता गया, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपये की चाल में गिरावट आ गई। इस गिरावट के बावजूद भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 5 पैसे उछल कर 88.16 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 88.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की बढ़त के साथ 88.15 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ देर तक रुपये की

स्थिति लगातार मजबूत होती गई। डॉलर की आवक बढ़ने के कारण रुपया 38 पैसे की मजबूती के साथ 87.83 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों ने जमकर बिकवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से मुद्रा बाजार से डॉलर की निकासी में तेजी आ गई। डॉलर की इस निकासी के कारण रुपये पर भी दबाव बढ़ने लगा, जिससे रुपये के भाव में गिरावट आने लगी। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 5 पैसे की मजबूती के साथ 88.16 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही दूसरी अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूती का प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 1.20 रुपये की तेजी के साथ 118.13 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 76.24 पैसे की उछाल के साथ 102.60 (अनंतिम) के स्तर तक पहुंच गया।

अप्रैल-अगस्त में वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 11.9 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोयला के उत्पादन में निरंतर बढ़ोत्तरी दर्ज हो रही है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से अगस्त के दौरान भारत की कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन में पिछले वित?त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.88 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इन पांच महीनों के दौरान खदानों से कोयले का प्रेषण 9.12 फीसदी बढ़ा है।

कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस वर्ष अगस्त महीने के दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला का उत्पादन 14.43 मिलियन टन (एमटी) दर्ज किया गया, जबकि प्रेषण 15.07 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गया। ये सकारात्मक रुझान पूरे क्षेत्र में परिचालन दक्षता में

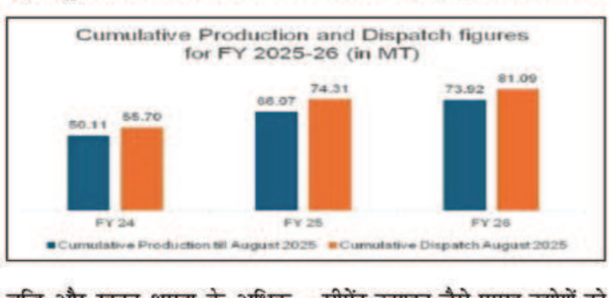

वृद्धि और खनन क्षमता के अधिक प्रभावी उपयोग का संकेत देते हैं।मंत्रालय ने भारत में कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि कोयला उत्पादन में वृद्धि से बिजली उत्पादन, इस्पात निर्माण और सीमेंट उत्पादन जैसे प्रमुख उद्योगों को कोयले की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जिससे भारत के औद्योगिक बुनियादी ढांचे की रीढ़ मजबूत होती है।

डीप टेक अलायंस के तहत 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा ने एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया, जब केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश की पहली 'मेड-इन-इंडिया' चिप प्रधानमंत्री पीएम मोदी को भेंट की। 'सेमीकॉन इंडिया 2025' सम्मेलन में कुल 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। ये समझौते कैमरा मॉड्यूल, माइक्रोफोन बड्स, मिनिएचर पैकेजिंग, और प्रतिभा विकास इकोसिस्टम जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी तकनीकों के विकास पर केंद्रित हैं।सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'डीप टेक अलायंस' के गठन की भी घोषणा की, जिसमें 1 बिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता पहले ही मिल चुकी है। शुरुआत में यह अलायंस सेमीकंडक्टर्स पर केंद्रित रहेगा, लेकिन आगे चलकर यह क्लीन एनर्जी, बायोटेक्नोलॉजी, क्वांटम टेक्नोलॉजी, और स्पेस जैसे अग्रणी क्षेत्रों में विस्तार करेगा। वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर निर्माण में भारत की लागत वैश्विक मानकों की तुलना में 15 से 30 प्रतिशत अधिक प्रतिस्पर्धी है। भारत ने कभी भी परियोजनाओं को जल्दबाजी में स्वीकृति नहीं दी, बल्कि हर परियोजना को व्यावसायिक मूल्यांकन के बाद ही मंजूरी दी गई, जिससे स्थायी विकास सुनिश्चित हो सके।

शेयर बाजार में जोरदार उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट का शिकार हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार जबरदस्त उतार-चढ़ाव का का सामना करने के बाद कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान शेयर बाजार में दोपहर 1 बजे तक लगातार तेजी का माहौल बना रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक जोरदार गिरावट के शिकार हो गए। आज के कारोबार में सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 750 अंक से अधिक टूट गया, वहीं निफ्टी ने भी ऊपरी स्तर से 230 अंक से अधिक का गोता लगाया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने अच्छी बढ़त हासिल कर ली, लेकिन कमजोर ग्लोबल संकेतों, निफ्टी के फ्यूचर एंड ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी में हुए बदलाव की वजह से बनी अनिश्चितता और ऊपरी स्तर से हुई मुनाफा वसूली की वजह से शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.26 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान फाइनेंशियल, बैंकिंग, रियल्टी और आईटी सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त मुनाफा वसूली होती नजर आई। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, मेटल, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 449.94 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 448.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.09 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,285 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,529 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,612 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 144 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,780 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,737 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,043 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 155.60 अंक की मजबूती के साथ 80,520.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 396.65 अंक उछल कर 80,761.14 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 752.64 अंक टूट कर 355.99 अंक की कमजोरी के साथ 80,008.50 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 206.61 अंक की गिरावट के साथ 80,157.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सूजन, इंफेक्शन और शुगर को कम करती हैं इमली की पत्तियां

इमली में औषधीय गुण होते हैं, इससे हम सभी वाकिफ हैं, लेकिन इमली की पत्तियां भी बेकार नहीं हैं। कई ऐसे घरेलू नुस्खे हैं, जिसमें इमली की पत्तियों का इस्तेमाल कर सेहत की समस्याओं में राहत मिलती है। इमली की पत्तियों में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। जब इमली की पत्तियों का रस निकाला जाता है और घावों पर लगाया जाता है, तो ये घाव को तेजी से ठीक करता है। इसके पत्तों का रस किसी भी अन्य संक्रमण और परजीवी विकास को रोकता है। इसके अलावा यह नई कोशिकाओं का निर्माण भी तेजी से करता है।

- इमली की पत्तियों के अर्क से स्तनपान कराने वाली माताओं में स्तन के दूध की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इमली की पत्तियों का अर्क जननांग के संक्रमण को रोकता है और इसके लक्षणों से राहत प्रदान करने में भी उपयोगी है।
- इमली की पत्ती विटामिन सी का भंडार होती हैं, जो कि किसी भी सूक्ष्मजीव के संक्रमण से शरीर की रक्षा करती है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।
- पत्तियों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए पपीता, नमक और पानी को पत्तियों में मिलाया जा सकता है, लेकिन, सुनिश्चित करें कि आप बहुत अधिक नमक का उपयोग नहीं करते हैं।
- इमली की पत्तियों में सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं और जोड़ों के दर्द और अन्य सूजन के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इमली की पत्तियों का सेवन करने से शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और इंसुलिन संवेदनशीलता भी बढ़ जाती है। इससे शुगर की बीमारी (मधुमेह) में राहत मिलती है। यह पीलिया को ठीक करने में भी मदद करती है।
- स्कर्वी विटामिन सी की कमी के कारण होता है। यह नाविक की बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, आमतौर पर स्कर्वी मसूड़ों और नाखूनों, थकान आदि जैसे लक्षणों के साथ होता है। इमली के पत्तों में उच्च एस्कॉर्बिक एसिड सामग्री होती है, जो एंटी-स्कर्वी विटामिन के रूप में कार्य करती है।

घर में मैनीक्योर करते समय न करें ये गलतियां

घर में मैनीक्योर करने की विधि के वक्त आप गलतियां न करें, उसके लिए उन्हें जान लेना जरूरी है।

नाखूनों को ज्यादा छोटा न करें

कई बार महिलाएं नाखूनों को ज्यादा छोटा कर देती हैं। जरूरी नहीं कि मैनीक्योर के वक्त नाखूनों को काटना ही हैं। अगर आपके नाखून पहले से ही छोटे हैं, तो उन्हें न काटें। बस फाइल के जरिए उन्हें सही आकार दें। अगर आपके नाखून बहुत लंबे हैं, तो बस उन्हें आधा काटें और फिर उन्हें सही आकार दें। नाखूनों को बहुत छोटा करने से लुक खराब हो सकता है।

क्यूटिकल्स को ट्रिम करने से बचें

क्यूटिकल त्वचा कोमल होती है। आपको उन्हें पूरी तरह से काटने की आवश्यकता नहीं है, बस उन्हें थोड़ा पीछे कर दें। अगर आपको लगता है कि आपको बहुत क्यूटिकल है तो हर दिन नहाते वक्त उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश करें। जब आप शॉवर लेते हैं, तो आपके क्यूटिकल्स नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें पीछे धकेलना आसान हो जाता है।

फाइलर का उपयोग ध्यान से करें

अपने नाखूनों को आकार देने के लिए फाइलर का उपयोग ध्यान से करें। फाइलर को हर दिशा में न घुमाएं, बल्कि जब आप एक तरफ से नाखून को फाइल करना शुरू करते हैं, तो उसी तरफ से पूरे नाखून को फाइल करें।

नाखूनों को अच्छे से साफ करना न भूलें

नेल पॉलिश लगाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके नाखूनों में मॉइस्चराइजर, पानी या गंदगी तो नहीं है। उन्हें अच्छी तरह से साफ करने के लिए एक लिंट-फ्री वाइप और नॉन-एसीटोन नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल करें।

नेल पोलिश की ज्यादा मोटी लेयर न लगाएं

जब नेल पॉलिश लगाएं, तो ध्यान रहे कि आप नेल पॉलिश की ज्यादा मोटी परत न लगाएं और लगातार दो कोट न लगाएं, वरना पॉलिश खराब हो सकती है। एक कोट लगाने के बाद जब नेल पॉलिश सूख जाए, तो दूसरा कोट लगाएं। नाखूनों को मोड़कर नेल पॉलिश न लगाएं, नहीं तो आपकी नेल पॉलिश खराब हो सकती है। इसके अलावा, ध्यान रहे कि आप नाखूनों के कोने से लेकर सिरे तक अच्छे से नेल पॉलिश लगाएं।

जब आपको सही तरीके से मैनीक्योर करने की विधि पता हो और आपके पास मैनीक्योर की सामग्री मौजूद हो, तो घर में मैनीक्योर करना बहुत आसान हो जाता है। इससे न सिर्फ वक्त बचता है, बल्कि पैसे की भी काफी बचत हो सकती है। इन तमाम नियमों का पालन कर आप घर में खुद से मैनीक्योर करके देखें और हमारे साथ अपने अनुभव कमेंट बॉक्स में शेयर करना न भूलें। इसके अलावा, अगर आपके पास भी मैनीक्योर एट होम के कुछ अन्य टिप्स हैं, तो हमारे साथ जरूर शेयर करें।

रेसिपी

मेथी का रायता

सामग्री

- ताजी मेथी: 50 ग्राम
- गाढ़ा दही: 1 कप
- प्याज: 1 बारीक कटा
- लहसुन की कलियां: 4-5 बारीक कटी
- चाट मसाला: 1/2 टीस्पून
- जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून
- नमक: 1/2 टीस्पून
- चीनी: 1/4 टीस्पून
- रेड चिली पाउडर: 1/2 टीस्पून
- धनिया पाउडर: 1/2 टीस्पून
- ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून
- धनिया पत्ती: 1 टेबलस्पून बारीक कटी

विधि

बोल में दही निकालकर उसमें थोड़ा पानी मिलाकर अच्छी तरह चलाकर अलग रख दें। फ्राइंगपैन में एक टेबलस्पून ऑलिव डालकर गर्म करें। इसमें प्याज, लहसुन और मेथी डालकर भून लें। ऊपर से नमक, चीनी, रोस्टेड जीरा और चाट मसाला डालकर मिलाएं। तड़का लगाने के लिए तड़के की सामग्री एक-एक कर डालें और दही वाले बोल में डालकर मिलाएं। धनिया से गार्निश करें।

स्पाइसी बीन कबाब

सामग्री

- आधा प्याज बारीक कटा हुआ
- 4-6 बारीक कटा लहसुन
- उबला व बचा हुआ राजमा : 2 कप
- ओट्स: 1 कप
- ब्रेड क्रम्ब्स आधी हैलेपीन्यो (पिज्जा में इस्तेमाल होने वाली विनेगर वाली मिर्च): 1/2 कप
- कॉर्न : 1/2 कप
- रेडीमेड स्पाइसी मस्टर्ड सॉस: 2 टेबलस्पून
- रोस्टेड जीरा: 1 टेबलस्पून
- सोय सॉस: 1/4 कप
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- नमक और काली मिर्च पाउडर स्वाद के अनुसार
- कुछ धनिया

विधि

एक बड़े बोल में सारी सामग्री डालकर एक साथ मिलाएं। इस मिश्रण में मनचाहे आकार के कबाब बनाकर दो घंटे के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। अब फ्रिज से निकालकर इन्हें शैलो फ्राई कर लें। तैयार कबाब को हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2576

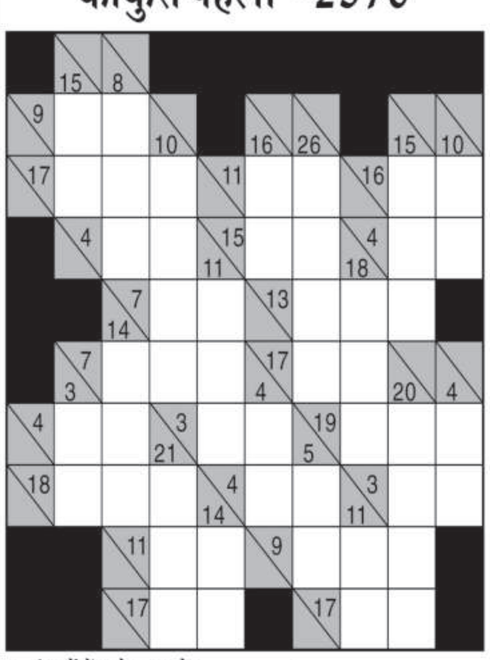

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

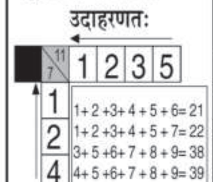

काकुरो - 2575 का हल

लॉफिंग ज़ोन

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'

दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी. आज उससे भी ज्यादा मंदा है.'

सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'

दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई.'

☺ ☺ ☺

एक मूर्ख संग्रहालय देखाने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा गया. मूर्ति टूट गयी. संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से से बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'

मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था.

☺ ☺ ☺

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं.

पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगों को खाना खिला देते हैं.

हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है. तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है. वैसे तेरे पति करते क्या हैं? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा.

'वे एक होटल मे वेटर है.' पहली महिला ने जवाब दिया.

फिल्म वर्ग पहेली- 2576

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2575

सूडोकु -2576

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2575 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 2576

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -2575 का हल

गौवंश हॉटस्पॉट अभियान में प्रयागराज में चिन्हित किए गए 917 निराश्रित गोवंश

प्रयागराज। उप्र की योगी सरकार ने निराश्रित गोवंश संरक्षण करने के लिए पशुधन विभाग के माध्यम से प्रत्येक जिले में निराश्रित हॉटस्पॉट चिन्हीकरण अभियान चलाया। इसी अभियान के तहत प्रयागराज जनपद में चलाए गए। अभियान के तहत 917 निराश्रित गोवंश चिन्हित किए गए। जिसमें से 392 गोवंशों को अलग–अलग गोशालाओं में संरक्षित किया गया। यह जानकारी बुधवार को मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ.शिवनाथ यादव ने दी।

उन्होंने बताया कि शेष बचे हुए गोवंशों को भी इन गोवंशों के साथ गोशालाओं में संरक्षित किया गया है। यह अभियान जारी रहेगा, ऐसे निराश्रित गोवंशों को घर दिलाने का भी अभियान चलाया जा रहा है। जिसके लिए सरकार 15 सौ रूपए भी गोद लेने वाले किसानों एवं पशुपालकों को दे रही है।

गौवंशों को गोद लेकर सरकार का सहयोग करें किसान

डॉ. शिवनाथ यादव ने जनपद के किसानों एवं पशुपालकों से अपील किया है कि अपने मवेशियों को घर से बेघर न करें। निराश्रित पशुओं को गोंद लेकर घर उपलब्ध कराने में सरकार का सहयोग करें। निराश्रित पशुओं को गोद लेने पर उनके भरण–पोषण के लिए 15 सौ रूपए दे रही है। ऐसे गोवंशों एवं पशुओं को घर से दूर करने से सरकार पर आर्थिक बोझ डाल रहें है।

गौवंश के संरक्षण से मजबूत होगी किसान एवं पशुपालकों आर्थिक स्थिति

डॉ. शिवनाथ यादव ने बताया कि किसान भाई गोवंशों के गोबर एवं मूत्र से जैविक खाद्य तैयार करें और उसे अपने खेतों में उपयोग करें, जिससे खेतों की उर्वरक क्षमता में वृद्धि होने के साथ ही पौष्टिक अनाज एवं सब्जी होगी। जिससे समाज में फैल रहे विभिन्न रोगों से धीरे–धीरे निजात मिलेगी।

मुठभेड़ में जानलेवा हमले का आरोपित गिरफ्तार, गोली लगी

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में थाना रसूलपुर पुलिस टीम ने बुधवार अपराह्न मुठभेड़ में जानलेवा हमले के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल आरोपित को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि थाना रसूलपुर क्षेत्रान्तर्गत डायल 112 पर कॉलर सुनील निवासी थाना क्षेत्रान्तर्गत रसूलपुर ने 3 सितंबर को सूचना दी कि उसके छोटे भाई गुड्डू पर सुमित दिवाकर ने फायरिंग की है। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

थाना प्रभारी रसूलपुर प्रदीप कुमार पुलिस टीम के साथ आज सुबह क्षेत्र में गश्त के दौरान सूचना के आधार पर आरोपित सुमित दिवाकर निवासी गली नंबर 5 प्रेमनगर डाक बंगला को नगला बरी चौराहे के पास फतेहाबाद रोड पर चेकिंग करते हुए घेर लिया। पुलिस टीम से घिरा देख आरोपित ने जान से मारने की नीयत से फायर किया। आत्मरक्षार्थ पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपित गोली लगने से घायल हो गया। उसके कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 3 जिंदा कारतूस एवं 01 खोखा कारतूस बरामद हुआ है।

एएसपी ने बताया कि घायल आरोपित को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल भिजवाते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

झांसी : छह थाना प्रभारी के कार्यक्षेत्र बदले

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में कानून व्यवस्था को दुरुस्त और सुचिता पूर्ण बनाए रखने के लिए एसएसपी ने मंगलवार देर रात छह थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल कर दिया। इसमें महिला थाना प्रभारी भी शामिल हैं।

एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने निरीक्षक सुरेश कुमार को थाना टहरौली से हटाकर डीसीआरबी भेजा है। डीसीआरबी में तैनात निरीक्षक मुकेश कुमार को टहरौली थाना प्रभारी बनाया गया है। किरन रावत को महिला थानाध्यक्ष पद से हटाकर एसएसआई थाना सीपरी बाजार, उपनिरीक्षक रजनी बाला को थाना सदर बाजार से महिला थाना प्रभारी बनाया है। इसी तरह निलेश कुमारी को एरच से हटाकर एसएसआई थाना प्रेमनगर की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि उपनिरीक्षक उदय प्रताप को पुलिस लाइन से एरच थाना प्रभारी बनाया है।

विकसित यूपी 2047 को गति देंगे रिटायर्ड आईएएस अरविंद कुमार सिंह

बलिया। 2047 तक भारत को विकसित बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को भी विकसित करने का बीड़ा उठाया है। इसके लिए चलाए जाने वाले समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान में जिले के निवासी सेवनिवृत्त आईएएस अधिकारी अरविंद सिंह को अहम जिम्मेदारी मिली है।

प्रदेश सरकार के विभिन्न उच्च पदों पर रह कर सेवानिवृत्त हुए आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार सिंह के साथ तीन अन्य लोगों को विकसित यूपी 2047 को गति देने के लिए टीम में रखा गया है। इनमें सेवानिवृत आईएफएस ज्ञान प्रकाश सिंह, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रेम नारायण सिंह, आचार्य नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डा. संजीत कुमार व यूपीपीसीएल के मुख्य अभियंता पद से सेवानिवृत्त अरविंद कुमार सिंह शामिल हैं। ये लोग विकसित भारत की अवधारणा को सकार करने के लिए मुख्यमंत्री योगी द्वारा 2047 तक यूपी को विकसित राज्य बनाने के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में अपने अनुभव का लाभ देंगे। विकसित यूपी के लिए विजन डाक्यूमेंट बनाने में भी अरविंद सिंह व अन्य विशेषज्ञ अपनी भूमिका निभाएंगे। विजन डाक्यूमेन्ट की थीम है, अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति। इसमें कृषि समेत 12 सेक्टर चिन्हित किए गए हैं, जिन पर पूरे यूपी से चार सौ प्रबुद्धजन अपनी राय देंगे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के चार सौ प्रबुद्धजनों में बलिया के अरविंद कुमार सिंह का चयन होने से हर्ष है। सनबीम स्कूल के डायरेक्टर डा. अरुण सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि यह बलिया के लिए गौरव का क्षण है।

सास के नाम फर्जी मस्टरोल, पुलिया पर फजीर्वाड़ा झ्र ग्राम प्रधान ने उड़ाए साढ़े दो लाख

मीरजापुर। मनरेगा की योजनाओं में पारदर्शिता का दावा करने वाली व्यवस्था में बड़ा फजीर्वाड़ा उजागर हुआ है। मड़िहान तहसील के नेवढ़िया गांव में ग्राम प्रधान ने अपनी ही सास अनारकली के नाम फर्जी मस्टरोल भरकर दो लाख 76 हजार 845 रुपये का भुगतान करा दिया। लोकपाल मनरेगा मदन गोपाल गुप्ता की जांच में सामने आया कि ग्राम प्रधान पुष्पा देवी, सचिव सुजीत कुमार सिंह और पंचायत सहायक अंशुल सिंह ने मिलकर सरकारी धन का गोलमाल किया।

शिकायत मुस्किरा गांव निवासी कमला शंकर मिश्र ने आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई थी।

जांच में खुलासा हुआ कि 12 और 13 जुलाई को प्रधान जेल में बंद थीं, लेकिन उसी दौरान उनकी सास के नाम मस्टरोल भरकर भुगतान कर दिया गया। इतना ही नहीं, धंधरौल नहर से हरिजन बस्ती तक चक मार्ग और पुलिया का निर्माण दिखाकर एक लाख 96 हजार 754 रुपये निकाल लिए गए। वहीं शोकपीट गड्ढा के नाम पर भी 51 हजार 217

वाराणसी: बड़ागांव पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी गौ तस्कर को दबोचा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मंगलवार देर रात बड़ागांव पुलिस ने भी रामेश्वर तिराहे के समीप मुठभेड़ में एक इनामी गौ–तस्कर को दबोच लिया। मुठभेड़ में घायल बदमाश के पैर में गोली लगी,उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

पुलिस अफसरों के अनुसार,बड़ागांव पुलिस को सूचना मिली थी कि शातिर तस्कर जंसा रामेश्वर मार्ग से जौनपुर की तरफ जाने वाले है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाही करते हुए रामेश्वर तिराहे के समीप घेराबंदी कर ली। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक बाइक से रामेश्वर की ओर आता दिखा। पुलिस टीम ने उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़ कर जंसा की ओर भागा। पुलिस टीम ने बदमाश का पीछा किया तो बदमाश ने टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ कार्रवाही में गोली चलाई तो बदमाश के पैर में गोली लगी और वह चीखते हुए बाइक से गिर पड़ा। सावधानी बरते हुए पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। बदमाश की शिनाख्त 25 हजार के इनामी गौ तस्कर कैमूर बिहार निवासी गोविन्द सिंह के रूप में हुई। बताया गया कि गौ तस्कर का पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में नेटवर्क है।

पुलिस उपायुक्त गोमती जोन के अनुसार,गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ में इस पूरे नेटवर्क में शामिल कई अपराधियों के नाम सामने आएं हैं जिनके खिलाफ गोमती जोन पुलिस आगे भी कठोर कार्यवाही करेगी। उन्होंने बताया कि गोविन्द सिंह के अपराधिक जीवन की शुरूआत एक स्पॉटर के रूप में हुई थी, वह गाड़ियों के आगे-आगे चलकर पुलिस चेकिंग व नाकों की जानकारी अपने साथियों को देता था। धीरे-धीरे इसने स्वतंत्र रूप से अवैध पशु परिवहन की व्यवस्था शुरू कर दी और ट्रांसपोर्टर की भूमिका निभाने लगा और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अपना नेटवर्क फैला लिया। गोविन्द सिंह ने पुलिस टीम को बताया कि वह उत्तर प्रदेश से 500झ्र600 रुपए में खरीदी या चोरी की गई गायें बिहार के मेलों में दस हजार रुपए में बेच देता है। और इन गायों को बंगाल पहुँचाने पर इनकी कीमत और अधिक बढ़ जाती है। बताया कि मेरा भाई राजू सिंह भी गौ तस्कर है जो पहले से जेल में बंद है। हमारे गिरोह का नेटवर्क पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों से लेकर बिहार और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ है। गोविन्द सिंह पर 09 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

बिना हेलमेट के ईंधन लेने वालों पर कसा शिकंजा, 22 चालकों के कटे चालान

बरेली । उत्तर प्रदेश शासन एवं परिवहन आयुक्त के निर्देश पर जिले में ह्लनो हेलमेट, नो फ्यूलह्व विशेष अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है। यह अभियान 01 से 30 सितंबर तक जिलेभर में संचालित होगा। इसी क्रम में मंगलवार को परिवहन विभाग, पुलिस और आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने सैटेलाइट चौराहा से शामतगंज पुल तक स्थित चार पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 22 मामलों में पेट्रोल पंप स्वामियों द्वारा बिना हेलमेट वाहन चालकों को ईंधन दिए जाने की पुष्टि हुई। संबंधित पंप संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा उल्लंघन पाया गया तो उनके खिलाफ शासन के निर्देशों के मुताबिक विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, बिना हेलमेट पेट्रोल भरवाने पहुंचे 22 वाहन चालकों का मौके पर चालान किया गया। वहीं, हेलमेट पहनकर ईंधन लेने पहुंचे वाहन चालकों का फूल देकर स्वागत किया गया और उनसे अपील की गई कि वे अपने परिवार और परिचितों को भी सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

इस अभियान में आरटीओ पंकज सिंह, आरटीओ (प्रवर्तन) प्रणव झा, क्षेत्राधिकारी ट्रैफिक अंजनी तिवारी, एआरटीओ (प्रशासन) डॉ. प्रवेश कुमार सरोज, यात्रीकर/मालकर अधिकारी रमेश चंद्र प्रजापति, अजीत प्रताप सिंह, विनय कुमार मिश्रा और प्रभारी निरीक्षक यातायात मनीष शर्मा सहित पुलिस व आपूर्ति विभाग की टीमें मौजूद रहीं।

आरटीओ पंकज सिंह ने बताया कि ह्लनो हेलमेट, नो फ्यूलह्व अभियान किसी को दंडित करने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी बचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक और पीछे बैठने वाला यात्री अनिवार्य रूप से आईएसआई मानक का हेलमेट पहनें। पेट्रोल पंप स्वामी भी शासन की मंशा के अनुरूप इस अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग दें।

गोरखपुर विश्वविद्यालय को मिली पाँच महत्वपूर्ण शोध परियोजनाओं की स्वीकृति, 72 लाख रुपये का अनुदान

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने एक बार फिर अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। उत्तर प्रदेश राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (उरळवढ) ने विश्व विद्यालय के विभिन्न विभागों के पाँच शोध प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए कुल लगभग 72 लाख रुपये का शोध अनुदान स्वीकृत किया है। ये परियोजनाएँ जैव-प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान और वनस्पति विज्ञान के अत्याधुनिक क्षेत्रों में नये आयाम स्थापित करेंगी।

1. पेक्टिनेज एंजाइम पर शोध

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. दिनेश यादव को 15.36 लाख की तीन वर्षीय परियोजना“Mining of Pectinases Producing Novel Fungal Strains and Elucidating its Biotechnological Applications” प्रदान की गई है। इस परियोजना में नये फफूंदीय प्रजातियों की पहचान कर पेक्टिनेज एंजाइम उत्पादन तथा उसके खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, कागज, जैव ईंधन और पर्यावरण प्रबंधन में उपयोग पर शोध होगा। प्रो यादव ने कहा, पेक्टिनेज एंजाइम सतत औद्योगिक नवाचार का आधार है। नवीन फफूंद प्रजातियों की खोज से औद्योगिक प्रक्रियाएँ अधिक दक्ष, पर्यावरण-अनुकूल

और किफायती बन सकती हैं। यह शोध मूल विज्ञान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों से जोड़ेगा।

इससे पहले प्रो. यादव डीबीटी, डीएसटी, यूजीसी, सीएसटी उत्तर प्रदेश और यूपीसीएआर द्वारा वित्तपोषित 09 परियोजनाओं से प्रधान अन्वेषक/ सह-अन्वेषक/ मेंटर के रूप में जुड़े रहे हैं।

2. पित्ताशय कैंसर पर जीन अध्ययन

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. शरद कुमार मिश्र को 15.36 लाख की परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में पित्ताशय कैंसर (गॉलब्लैडर कैंसर) से संबंधित जीन में आनुवंशिक परिवर्तनों का अध्ययन एवं प्रभावी निदान मार्कर का विकास स्वीकृत हुई है। यह शोध पित्ताशय कैंसर की समय रहते पहचान हेतु जैव-चिह्न विकसित करने पर केंद्रित है।

3. आर्सेनिक-प्रतिरोधी धान किस्म पर अनुसंधान

वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजवीर सिंह चौहान को 15.36 लाख का अनुदान उनकी परियोजना आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों में खेती के लिए उपयुक्त कम आर्सेनिक संचय करने वाली कालानमक धान की किस्म का विकास के लिए मिला है।

इसका उद्देश्य गामा किरणों से उत्पन्न कालानमक धान की ऐसी किस्म विकसित करना है, जिसमें दानों में आर्सेनिक न्यूनतम हो। यह अनुदान उनकी शोध परियोजना आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों में खेती के लिए उपयुक्त कम आर्सेनिक संचय करने वाली कालानमक धान की किस्म का विकास के लिए प्रदान किया गया है।

इस परियोजना का उद्देश्य गामा किरणों से उत्पन्न कालानमक धान की ऐसी म्युटेंट किस्म विकसित करना है, जिसमें चावल के दानों में आर्सेनिक की मात्रा न्यूनतम हो। यह शोध न केवल खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश के आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों की समस्या का समाधान भी प्रस्तुत करेगा।

4. नैनोस्ट्रक्चर्ड मटेरियल्स आधारित सेंसर

रसायन विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. विनीता को 14.36 लाख का अनुदान उनकी परियोजना नैनोस्ट्रक्चर्ड मटेरियल्सः विषैले धातु आयनों के लिए एक कुशल सेंसर के लिए प्राप्त हुआ है। इस शोध में उच्च दक्षता वाले नैनोमैटेरियल्स आधारित सेंसर विकसित होंगे, जो जल में उपस्थित लेड और मरकरी जैसे विषैले धातु आयनों का परीक्षण कर सकेंगे।

5. औषधीय रसायन एवं क्षयरोग निरोधी यौगिकों पर अध्ययन

रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सर्वेश कुमार पाण्डेय को 12.26 लाख का अनुदान उनकी परियोजना ग्रीन सिंथेसिस, ऐंटिट्यूबरकुलर सक्रियता एवं ट्रायाजोल व्युत्पन्नों के मायकोबैक्टीरियल कठलअ एंजाइम को लक्षित करने वाले आणविक डॉकिंग अध्ययन के लिए स्वीकृत हुआ है। यह शोध क्षयरोग रोधी नए यौगिकों के विकास में सहायक होगा।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सभी शोधकताओं को बधाई देते हुए कहा–ये प्रतिष्ठित अनुदान हमारे विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक क्षमता को प्रमाणित करते हैं। यह दशार्ते हैं कि हमारा संस्थान क्षेत्रीय चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक शोध कर रहा है। खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सतत औद्योगिक नवाचार के क्षेत्रों में यह शोध समाज और उद्योग दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

फिरोजाबाद। न्यायालय ने मंगलवार को नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास (शेष प्राकृत जीवन काल) की सजा सुनाई है। न्यायालय ने उस पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

थाना मक्खन पुर क्षेत्र अन्तर्गत एक युवक ने किशोरी को प्यार के जाल में फंसा लिया। उसके साथ एक वर्ष तक बलात्कार किया। उसके अश्लील फोटो व वीडियो बनाई। उसे वायरल करने की धमकी देकर लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। परेशान होकर किशोरी ने अपनी मां को आप बीती बताई। उसके पिता ने बोबी पुत्र नेमी चंद्र निवासी घुनपई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

पुलिस ने विवेचना के बाद उसके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया।

मुकदमा अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट मुमताज अली की अदालत में चला।

अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी विशेष लोक अभियोजक अवधेश भारद्वाज ने की। उन्होंने बताया कि मुकदमे के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी। कई साक्ष्य न्यायालय के सामने पेश किए गए। गवाहों की गवाही तथा साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने बोबी को नाबालिग से दुष्कर्म का दोषी माना।

न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास (शेष प्राकृत जीवन काल) की सजा सुनाई है। उस पर 20,000 रुपया अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

स्कूटी सवार को रोडवेज बस ने कुचला मौके पर मौत

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी महमूदपुर गांव के पास मंगलवार सुबह तेज रफ्तार रोडवेज बस ने स्कूटी सवार को कुचल दिया है जिससे स्कूटी सवार युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई है दुर्घटना देखकर मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ लग गई बढ़ती भीड़ देखकर बस का चालक रोडवेज बस को सड़क पर खड़े करके मौके से फरार हो गया है मामले की सूचना थाना पुलिस और युवक के परिजनों को दी गई जानकारी मिलते ही युवक के परिजन भी रोते बिलखते घटना स्थल पर पहुंच गए हैं घटनास्थल पर कोहराम मचा हुआ है मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दुर्घटना के बाद गांव के लोगों में स्पष्ट तौर से आक्रोश देखा जा रहा था मौके पर पहुंची पुलिस ने रोडवेज बस को अपने कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

अमेठी में भीषण सड़क दुर्घटना, तीन की मौत।

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद में बुधवार की सुबह करीब 3 बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया है। जिसमें तेज रफ्तार अनियंत्रित ब्रेजा कार कैंटीन की कट पर मुड़ रहे ट्रक में घुस गई है। ब्रेजा में सवार ड्राइवर सहित सभी तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को गाड़ी से निकलवा कर आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुटी हुई है।

बजाज शुकुल के थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि रात्रि लगभग 3 बजे के करीब यह हादसा हुआ है। जिसमें थाना क्षेत्र से गुजरने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के 60.1 किलोमीटर पर गाजीपुर से लखनऊ की पटरी पर जा रही तेज रफ्तार ब्रेजा कार सामने कैंटीन की तरफ मुड़ रही ट्रक में घुस गई। जिसके चलते कार पर सवार चालक सहित सभी तीन लोगों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल दुर्घटनाग्रस्त कार से तीनों लोगों को निकाल कर एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। जहां पर डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान इन लोगों के प्राप्त पास प्राप्त आईडी से एक मृतक का नाम अर्पित विश्वकर्मा पुत्र बसंत लाल निवासी आई 1184 वर्ल्ड बैंक बर्रा जनपद कानपुर तथा दूसरे का नाम विमल पुत्र रामसुंदर पांडेय निवासी एलडी 113/114 ए सेक्टर एफ कानपुर रोड पराग डेयरी लखनऊ तथा तीसरे का नाम विनय दुबे पुत्र राम किशोर दुबे निवासी आई ब्लॉक 124 थाना बर्रा जनपद कानपुर के रूप में हुई है।

थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने आगे बताया कि इन सभी मृतकों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही तीनों मृतकों के पंचायतनामा व अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गंगा में कूदे प्रेमी युगल, तेज बहाव में लापता, शास्त्री पुल बना प्रेम कहानी का गवाह

मीरजापुर। जिले के कटरा कोतवाली क्षेत्र स्थित शास्त्री पुल मंगलवार को एक सनसनीखेज घटना का गवाह बना। यहां पहुंचे एक प्रेमी युगल ने अचानक एक-दूसरे का हाथ थाम गंगा में छलांग लगा दी। देखते ही देखते दोनों तेज धारा में बहकर लापता हो गए।

राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर कटरा कोतवाल वैद्यनाथ सिंह और शास्त्री पुल चौकी प्रभारी पहुंचे। पुलिस ने गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम बुलाकर देर शाम तक तलाशी कराई, लेकिन प्रेमी युगल का कुछ पता नहीं चल सका।

पुलिस को प्रेमी के बैग से पैन कार्ड मिला, जिससे उसकी पहचान हो गई। जानकारी के मुताबिक युवक (22) देहात कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला था और गुजरात की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। कुछ दिन पहले ही वह घर आया था। बताया जा रहा है कि दो दिन पूर्व ही वह घर से गुजरात लौटने के लिए निकला था, लेकिन मंगलवार को अपनी प्रेमिका संग शास्त्री पुल पहुंचा और दोनों ने जिंदगी खत्म करने का खौफनाक कदम उठा लिया।

ज़िंदा व्यक्ति को मृत दशार्या, ग्राम पंचायत अधिकारी निलंबित

प्रयागराज। गांवों में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारियों की मनमानी थम नहीं रही है। बहादुरपुर ब्लाक के पाली करनपुर गांव के सुकरू (72) को वर्ष 2023 में ग्राम पंचायत अधिकारी रंजना यादव ने मृत घोषित कर दिया। इससे सुकरू की वृद्धा पेंशन रुक गई।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321